संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
गुरुवार
22 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 210
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

पानीपत में इंटरनेशनल लेवल का टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट बनाया जाएगा: नायब सिंह सैनी

पेज-8

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों के साथ की अहम बैठक

नयी दिल्ली- भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रदेश अध्यक्षों की बैठक की अध्यक्षता की। इस अहम बैठक में संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों, चुनावी तैयारियों और केंद्र और राज्य सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में पार्टी के शीर्ष संगठनात्मक पदाधिकारी, विभिन्न राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय में आयोजित हुई है जब पार्टी संगठन पर्व के बाद नए सिरे से संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी हुई है।

बैठक में भाजपा के संगठन महासचिव बीएल संतोष, राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, विनोद तावड़े, सुनील बंसल, दुष्यंत गौतम, तरुण चुग, सीटी रवि और राधा मोहन दास अग्रवाल सहित कई राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

इसके अलावा, विभिन्न राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री (संगठन) और चुनाव प्रभारी भी बैठक में शामिल हुए। कई प्रदेशों के अध्यक्षों ने अपने-अपने राज्यों की राजनीतिक स्थिति, संगठनात्मक मजबूती और आगामी चुनौतियों को लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष प्रस्तुति दी।

श्री नवीन ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की असली ताकत उसका अनुशासित संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना पार्टी की प्राथमिकता है और हर कार्यकर्ता को पार्टी की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्षों से आग्रह किया कि वे केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं—जैसे गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित और युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों—को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचायें।

श्री नवीन ने सभी पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों से संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखने, एकजुट संदेश देने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय से ही जनता का भरोसा मजबूत होता है और भाजपा इसी मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है।

बैठक में हाल ही में संपन्न संगठन पर्व, सदस्यता अभियान और पार्टी की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समीक्षा भी की गई। प्रदेश अध्यक्षों ने अपने राज्यों में संगठन पर्व के दौरान हुए कार्यों, कार्यकर्ता सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी।

राष्ट्रीय नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि पार्टी के सभी संगठनात्मक निर्णय भाजपा के संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप लिए गए हैं और आगे भी संगठनात्मक अनुशासन सर्वोपरि रहेगा।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति पर भी चर्चा हुई। जमीनी फीडबैक, क्षेत्रीय मुद्दों और विपक्ष की रणनीतियों का विश्लेषण किया गया।

सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और युवाओं तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने पर भी विशेष चर्चा हुई। इस दौरान यह तय किया गया कि डिजिटल माध्यमों के साथ-साथ जनसंपर्क अभियानों और प्रत्यक्ष संवाद को और मजबूत किया जाएगा।

आईसीसी वनडे रैंकिंग में बदलाव की आंधी, कोहली को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंचे मिचेल

दुबई- न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने हाल में संपन्न श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान से हटा दिया। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ यह श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की थी। इस तरह उसने भारतीय सरजमीं पर पहली बार वनडे श्रृंखला जीतकर 37 साल का इंतजार खत्म किया था।

मिचेल ने इस श्रृंखला में दो शतक लगाए और 34 वर्षीय यह बल्लेबाज मात्र 54वीं पारी में सबसे तेज नौ वनडे शतक पूरे करने वाले चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गए। केवल इमाम-उल-हक (48), हाशिम अमला (52) और क्विंटन डिकॉक (53) ही उनसे आगे हैं। हैमिल्टन में जन्मे मिचेल अपने करियर की शीर्ष फॉर्म में हैं। उन्होंने तीन मैच की श्रृंखला में कुल 352 रन बनाए। किसी तीन मैच की वनडे श्रृंखला में यह न्यूजीलैंड के खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन हैं और कुल मिलाकर यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

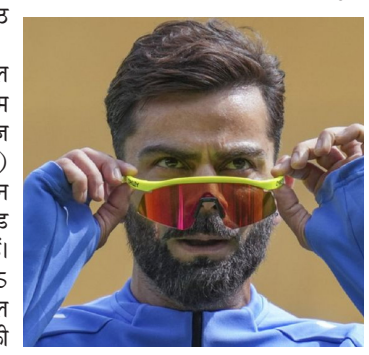

उनसे आगे केवल पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 360 रन) और भारत के शुभमन गिल (2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 360 रन) हैं। आईसीसी ने कहा कि 845 रैंकिंग अंक के साथ मिचेल ने कोहली (795 अंक) की जगह ली है जो अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दोनों बल्लेबाजों के बाद इब्राहिम जदरान, रोहित शर्मा, शुभमन गिल और बाबर आजम मौजूद हैं।

यह दूसरी बार है जब मिचेल ने वनडे क्रिकेट में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले वह पिछले साल नवंबर में सिर्फ तीन दिन के लिए शीर्ष पर रहे थे, जिसके बाद रोहित शर्मा ने उन्हें पछाड़ दिया था। भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेले गए वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स (पांच शतक) के बाद मिचेल (चार शतक) दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। मिचेल वनडे में 54 पारियों में अब तक एक भी बार शून्य पर आउट नहीं हुए हैं जिससे वह इस उपलब्धि की सर्वकालिक सूची में दूसे स्थान पर हैं। उनसे आगे केवल केपलर वेसल्स हैं जो 1983 से 1994 के बीच 105 वनडे पारियों में कभी भी शून्य पर आउट नहीं हुए। मिचेल के पिता मशहूर रग्बी कोच जॉन मिचेल वर्तमान में इंग्लैंड की विश्व कप विजेता महिला टीम के मुख्य कोच हैं। मिचेल-कोहली के बाद अफगानिस्तान के इब्राहिम जदरान (764 अंक) तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने भारत के रोहित शर्मा (757 अंक) को चौथे स्थान पर पहुंचा दिया।

मोटी-मोटी बातें

चुनाव प्रबंधन संस्थाओं के प्रमुखों ने लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन-2026 में भाग लिया

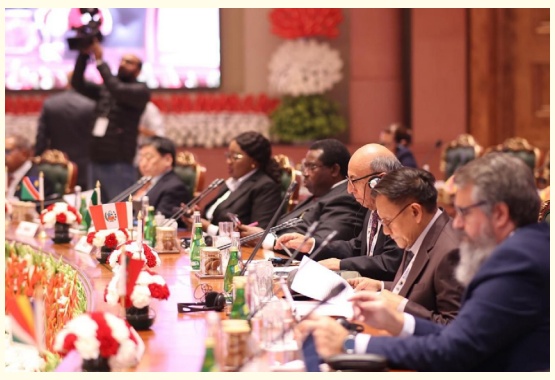

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 1. 42 चुनाव प्रबंधन संस्थाओं (ई.एम.बी.) के प्रमुखों ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आई.आई.सी.डी.ई.एम. - 2026) में भाग लिया।

2. इस संबंध में आयोजन की शुरुआत मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने की।

3. इस आयोजन में लगभग 60 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें चुनाव प्रबंधन संस्थाओं के प्रमुख तथा कई देशों के राजदूत/हाई कमिश्नर शामिल थे।

4. चुनाव प्रबंधन संस्था प्रतिभागियों के लिए एक ऐसा मंच है, जहां लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर उच्च-स्तरीय विचार-विमर्श के लिए चुनाव प्रबंधन संस्थाओं के प्रमुख तथा वरिष्ठ नेता, राजदूत/हाई कमिश्नर एक ही स्थान पर एकत्र होते हैं।

5. भारत की ओर से वर्ष 2026 के दौरान अंतरराष्ट्रीय आई.डी.ई.ए. के चेयरपर्सन के रूप में विषय संबंधी प्राथमिकताएं साझा की गईं। चुनाव प्रबंधन संस्था के नेताओं तथा देश के प्रतिनिधियों ने लोकतंत्र और चुनाव प्रशासन के सामने वैश्विक चुनौतियों के बारे में अपने विचार साझा किए।

सरहद पार से अवैध हथियारों के मॉड्यूल से जुड़े दो व्यक्ति अमृतसर में गिरफ्तार, छह आधुनिक हथियार बरामद

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान एक बड़ी सफलता में अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने दो संचालकों को गिरफ्तार करके पाकिस्तान आधारित तस्करों से जुड़े सरहद पार से चलाए जा रहे अवैध हथियारों के मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है और उनके कब्जे से छह आधुनिक पिस्तौल बरामद की हैं। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (22) निवासी गांव रत्तोके, तरनतारन और सुरजीत सिंह (35) निवासी चेला कॉलोनी, तरनतारन के रूप में हुई है। सुरजीत सिंह का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट सहित कई मामले दर्ज हैं। बरामद किए गए हथियारों में दो जिंदा कारतूसों सहित दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और चार .30 बोर पिस्तौल शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए मुलजिम विदेशी हैंडलरों के निर्देशों के तहत अवैध हथियारों की तस्करी और गैंगस्टरों को हथियार सप्लाई करने में शामिल थे। उन्होंने आगे बताया कि इस मामले में अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए आगामी जांच जारी है।

पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने संदिग्ध गुरप्रीत उर्फ गोपी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से दो जिंदा कारतूसों सहित तीन .30 बोर पिस्तौल और एक ग्लॉक बरामद की। उन्होंने आगे बताया कि लगातार पूछताछ से पता चला है कि आरोपी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तान-आधारित तस्करों से सीधे संपर्क में थे और गैंगस्टरों को इन हथियारों की सप्लाई करने के लिए अवैध हथियारों की खेप प्राप्त कर रहे थे, जो कि ड्रोन के माध्यम से आ रही थी।

कुरुक्षेत्र पहुंचे राहुल गांधी, कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर को करेंगे संबोधित

कुरुक्षेत्र: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी बुधवार को कुरुक्षेत्र पहुंचे। वह यहां हरियाणा और उत्तराखंड के नव-नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों के लिए आयोजित प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करेंगे।

कांग्रेस की ओर से 'संगठन सृजन' नाम से 10 दिवसीय संगठनात्मक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 13 जनवरी से कुरुक्षेत्र के ऐतिहासिक ब्रह्म सरोवर के पास स्थित पंजाबी धर्मशाला में चल रहा है। इसमें हरियाणा और उत्तराखंड के करीब 60 जिला अध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं।

अपने दौरे के दौरान राहुल गांधी लगभग साढ़े पांच घंटे कुरुक्षेत्र में रहेंगे। इस दौरान वह जिला अध्यक्षों से संवाद करेंगे, संगठन को मजबूत करने को लेकर अपने विचार साझा करेंगे और अहम राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। साथ ही वह प्रशिक्षण शिविर में शामिल जिला अध्यक्षों के परिवारजनों से भी मुलाकात करेंगे। इससे पहले राहुल गांधी का स्वागत एयर फोर्स स्टेशन अंबाला पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने किया। इसके बाद वह सड़क मार्ग से कुरुक्षेत्र पहुंचे।

राहुल गांधी के साथ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद कुमारी सैलजा, कांग्रेस के राज्य प्रभारी बीके हरिप्रसाद और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

पंजाब के गांवों में खेल क्रांति: आप सरकार बना रही है 3100 मैदान, युवाओं को नशों से निकालकर खेलों की ओर प्रेरित करना हमारा उद्देश्य: तरुनप्रीत सिंह सौंद

- काम में लापरवाही और झूठी रिपोर्टिंग नहीं होगी बर्दाश्त, पारदर्शिता के लिए तीन फ्लाइंग स्क्वाड किये तैनात: सौंद
- गुणवत्ता से समझौता करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी, जवाबदेही की तय: सौंद

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने राज्य में बन रहे ग्रामीण खेल मैदानों की प्रगति और गुणवत्ता को लेकर सरकार के सख्त रुख को स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार पूरे राज्य में 3,100 ग्रामीण खेल मैदान तैयार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशों की दलदल से निकालकर खेलों की ओर प्रेरित करना है।

बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मंत्री सौंद ने बताया कि प्रोजेक्ट की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने तीन विशेष फ्लाइंग स्क्वाड तैनात किए हैं। ये दल सरकार की 'आंखें और कान' के रूप में काम करेंगे और विभिन्न गांवों में जाकर जमीनी स्तर पर जांच करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब केवल कागजी कार्रवाई नहीं चलेगी, जमीन पर काम की गुणवत्ता दिखनी अनिवार्य है।

उन्होंने आगे बताया कि खेल मैदानों की जमीनी रिपोर्ट के लिए हमने एक एमआइएस पोर्टल तैयार किया है, जिसमें संबंधित अधिकारी को विकास कार्य की हर 15 दिनों में फोटो और जियो टैगिंग के साथ रिपोर्ट भेजनी होगी।

सिस्टम में सुधार का सख्त संदेश देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जहां भी झूठी रिपोर्टिंग या काम में लापरवाही पाई गई, वहां तुरंत कार्रवाई अमल में लाई

गई है। कई अधिकारियों को निलंबित किया गया है और कारण-बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी तरह का राजनीतिक दखल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सौंद ने बताया कि पूरे पंजाब में एकसमान तकनीकी मानक लागू किए गए हैं। काम की निगरानी के लिए तीसरे पक्ष (थर्ड पार्टी) के टेक्नो-फाइनेंशियल ऑडिट की मदद ली जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी पैसे की एक-एक पाई का हिसाब रखा जा रहा है ताकि ग्रामीण पंजाब को वर्ल्ड-क्लास आधारभूत ढांचा मिल सके।

उन्होंने कहा कि इस मुहिम में सरपंचों, ग्राम पंचायतों और स्थानीय खेल क्लबों को भी महत्वपूर्ण हिस्सेदार बनाया गया है। मंत्री ने कहा कि ये सभी संस्थाएं इस प्रोजेक्ट में केवल दर्शक नहीं हैं, बल्कि हमारे साथी हैं जो गांव के विकास की निगरानी करेंगे।

विरोधी पक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए सौंद ने कहा कि ईमानदार अधिकारियों को डरने की कोई जरूरत नहीं है। सजा सिर्फ उनको मिलेगी जो गलत रिपोर्टिंग या भ्रष्टाचार में शामिल होंगे। हमने जवाबदेही को व्यक्तिगत नहीं बल्कि प्रणालीगत बना दिया है।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर, डॉलर के मुकाबले कीमत पहुंची 91 रुपये 74 पैसे

मुंबई : भारतीय रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 69 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 91.74 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। डॉलर की स्थिर मांग और वैश्विक स्तर पर सतर्कता भरे माहौल के चलते रुपये पर दबाव देखने को मिला।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति को बढ़ाया है, जिसका असर उभरते बाजारों की मुद्राओं पर साफ दिखाई दे रहा है। इसके अलावा, विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और घरेलू शेयर बाजार में सुस्ती ने भी रुपये की कमजोरी को बढ़ाया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.05 प्रति डॉलर पर खुला और कुछ ही देर में 31 पैसे गिरकर 91.28 के स्तर पर आ गया। इसके बाद यह और टूटा और 91 रुपये 74 पैसे पर आ गया। इससे पहले मंगलवार को रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ 90.97 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 98.59 पर रहा।

घरेलू शेयर बाजार में भी कमजोरी देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 385.82 अंक टूटकर 81,794.65 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 91.5 अंक फिसलकर 25,141 के स्तर पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.11 प्रतिशत गिरकर 64.20 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को भी बिकवाल रहे। उन्होंने शुद्ध रूप से 2,938.33 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जिससे बाजार पर अतिरिक्त दबाव बना रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों, डॉलर की चाल और विदेशी निवेशकों के रुख पर आगे भी रुपये और शेयर बाजार की दिशा निर्भर करेगी।

बजट-पूर्व परामर्श बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बोले—हरियाणा में स्टार्टअप्स को मिली नई उड़ान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को मानेसर में आयोजित बजट-पूर्व परामर्श कार्यक्रम में स्टार्टअप संस्थापकों एवं उद्यमियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि युवा इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स हरियाणा की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 16 जनवरी को 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस' मनाया गया था और आज का बजट-पूर्व परामर्श उसी उत्सव की कड़ी है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विचार का उल्लेख करते हुए कहा कि "स्टार्टअप इंडिया' केवल एक सरकारी योजना नहीं है, बल्कि यह एक 'रेनबो विजन' है, जो अलग-अलग सेक्टर्स को नई संभावनाओं से जोड़ता है।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप एक विचार है, जिसे मूर्त रूप देना होता है। यह एक छोटा बीज है, जिसे सही सहयोग मिलने पर विशाल वृक्ष बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम तथा गुरुग्राम विधायक श्री मुकेश शर्मा उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के संकल्प के साथ सरकार निरंतर तेज गति से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज देश में बड़े और ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। चाहे सड़क और परिवहन अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) का क्षेत्र हो या अन्य विकासात्मक परियोजनाएं, भारत अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास की नई दिशा पकड़ी है और हर क्षेत्र में प्रगति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

फंडिंग और तकनीकी सहयोग पर जोर

मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप संस्थापकों द्वारा दिए गए सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस', 'फंडिंग' और 'तकनीकी सहयोग' जैसे मुद्दों पर प्राप्त विचारों को नोट किया गया है। उन्होंने कहा, "आइडिया कितना भी छोटा क्यों न हो, यदि उसमें दम है, तो उसे दुनिया बदलने में समय नहीं लगता।"

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में देश में स्टार्टअप्स की संख्या 500 से बढ़कर 2 लाख से अधिक हो गई है। इसमें हरियाणा का योगदान अग्रणी रहा है, विशेषकर गुरुग्राम और मानेसर का। हरियाणा में अब 9,500 से अधिक स्टार्टअप्स हैं और राज्य इस मामले में देश में सातवें स्थान पर है। साथ ही, हरियाणा से 19 यूनिकॉर्न्स भी सामने आए हैं।

हरियाणा ए.आई. मिशन, रिसर्च फंड और फंड ऑफ फंड्स का गठन

मुख्यमंत्री ने बजट 2025-26 में उठाए गए प्रमुख कदमों की जानकारी देते हुए कहा कि भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का है। इसी दृष्टि से हरियाणा सरकार द्वारा 'हरियाणा ए.आई. मिशन' की स्थापना का प्रस्ताव किया गया है, जिसके लिए विश्व बैंक से 474 करोड़ रुपये की सहायता का आश्वासन मिला है। इसके तहत गुरुग्राम और पंचकूला में एक-एक ए.आई. हब स्थापित किए जाएंगे, जहां 50 हजार युवाओं को नई तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 20 करोड़ रुपये के शुरुआती कोष से 'हरियाणा स्टेट रिसर्च फंड' की स्थापना की गई है। इसके साथ ही 2,000 करोड़ रुपये का 'फंड ऑफ फंड्स' भी बनाया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए HSIIDC के माध्यम से प्रति स्टार्टअप 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा 'मुख्यमंत्री कौशल सम्मान योजना' शुरू की गई है। हरियाणा में 'हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति-2022' लागू है और हाल ही में 22 स्टार्टअप्स को 1 करोड़ 14 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब स्टार्टअप संस्कृति केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहेगी। आगामी शैक्षणिक सत्र से हर जिले में 'उद्यमिता प्रतियोगिताएं' आयोजित की जाएंगी, जिनमें चयनित टीमों को अपने आइडिया को 'बिजनेस मॉडल' में बदलने के लिए सरकार द्वारा एक लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

राज्य में पहली बार बनेगी पोषण नीतिः मुख्यमंत्री

कांगड़ा में फूड टेस्टिंग लैब के लिए 25 करोड़ रुपये, कंडाघाट लैब को मजबूत करने के लिए 8.50 करोड़ रुपये

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज स्वास्थ्य विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की पहली पोषण नीति बनाएगी, ताकि लोगों को समग्र रूप से लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कई पोषण और खाद्य सुरक्षा योजनाएं चला रही है, जैसे एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस), मिड-डे मील योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं को ध्यान में रखते हुए न्यूट्रिशनल प्रोफाइलिंग बहुत जरूरी है। इससे लोगों को भोजन में मौजूद पोषक तत्वों, कैलोरी और फूड फोर्टिफिकेशन के बारे में जागरूकता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि नीति को अंतिम रूप देने से पहले राज्य में पोषण और खाद्य परीक्षण से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। इसके तहत कंडाघाट स्थित कंपोजिट टेस्टिंग लैब को अपग्रेड किया जाएगा और नई प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी। पहले चरण में कांगड़ा जिले में नई लैब बनाई जाएगी। आने वाले वर्षों में राज्य के अन्य हिस्सों में भी क्षेत्रीय टेस्टिंग लैब स्थापित होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में कांगड़ा, मंडी, शिमला और सोलन जिले के बद्दी में नई प्रयोगशालाएं खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

उन्होंने बताया कि कंडाघाट लैब को मजबूत करने के लिए 8.50 करोड़ रुपये और कांगड़ा में फूड टेस्टिंग लैब स्थापित करने के लिए 25 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन प्रयोगशालाओं के सुचारू संचालन के लिए पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था की जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव जितेंद्र सांजटा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

स्मार्ट बिजली मीटर से नहीं पड़ेगा बिजली के बिलों पर असर

शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर लगाए जाने से बिजली सब्सिडी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि 125 यूनिट तक मिलने वाली मुफ्त बिजली की सुविधा पूरी तरह से पहले की तरह जारी रहेगी और स्मार्ट मीटर लगने से बिजली के बिलों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी।

प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में अब तक 7.5 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर केवल बिजली खपत को मापने का एक उपकरण है, ठीक वैसे ही जैसे पुराने सामान्य मीटर होते हैं। इसका बिजली की दरों (टैरिफ) या बिलिंग नीति से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर जो भ्रम फैलाया जा रहा है, वह सही जानकारी के अभाव में तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किए जाने का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि पुराने मीटरों में कई बार मासिक आधार पर औसत रीडिंग से बिल जारी कर दिए जाते थे, चाहे उपभोक्ता ने बिजली का उपयोग किया हो या नहीं, जबकि स्मार्ट मीटर में वास्तविक खपत के आधार पर ही बिल बनेगा। यदि उपभोक्ता बिजली का उपयोग नहीं करता है, तो उसे नियमित रूप से औसत बिल नहीं मिलेगा।

प्रवक्ता ने बताया कि स्मार्ट मीटर में बिजली खपत का डाटा अपने आप एक केंद्रीय डाटा सेंटर तक पहुंच जाता है, जिससे सही बिलिंग, बेहतर ऑनलाइन सेवाएं और उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा मिल सकेगी। यह बदलाव केवल मीटर बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अनुमान या मैनुअल बिलिंग से हटकर वास्तविक समय (रियल-टाइम) डाटा आधारित प्रणाली की ओर एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि यदि किसी उपभोक्ता को स्मार्ट मीटर की रीडिंग पर संदेह हो, तो प्रदेश सरकार ने मौजूदा मीटर के साथ दूसरा स्मार्ट मीटर लगाने की अनुमति भी दी है। इससे उपभोक्ता हर 15 मिनट में अपनी बिजली खपत की जानकारी स्वयं देख सकता है। यदि किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई जाती है, तो उपभोक्ता अपने संबंधित विद्युत उप-मंडल कार्यालय से संपर्क कर सकता है। प्रवक्ता ने बताया कि स्मार्ट मीटरों का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना, व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं देना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस संबंध में फैलाई जा रही अफवाहों पर विश्वास न करें और केवल प्रमाणित व सही जानकारी पर ही भरोसा करें।

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग विषय पर कार्यशाला आयोजित

सोलन। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय एवं उद्योग विभाग हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आज सोलन ज़िला के कण्डाघाट में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता उद्योग विभाग कण्डाघाट के विस्तार अधिकारी सुनील कौशल ने की।

सुनील कौशल ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिला सोलन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग के तहत उपलब्ध सुविधाओं जैसे डिजिटल परिवर्तन, क्षमता निर्माण, क्लस्टर विकास, हरित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग पहल और सरकारी सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना है।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को अवगत करवाया गया कि इनके माध्यम से उद्योगों की उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता, और दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के प्रतिनिधियों को उद्योग 4.0 समाधानों, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग टूल्स, और सरल एवं सुलभ डिजिटल अपनाने की रणनीतियों के बारे में सारगर्भित जानकारी प्रदान की।

सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटिड के विषय विशेषज्ञ इलैयाराजा सावरी मारियादास ने कृत्रिम मेधा (ए.आई.), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.), मशीन लर्निंग (एम.एल.), स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, क्लाउड कम्प्यूटिंग सहित अन्य विषयों पर जानकारी प्रदान की गई।

स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग विषय पर कार्यशाला आयोजित

सोलन। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय एवं उद्योग विभाग हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आज सोलन ज़िला के कण्डाघाट में स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उद्योग विभाग कण्डाघाट के विस्तार अधिकारी सुनील कौशल ने की। सुनील कौशल ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिला सोलन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग के तहत उपलब्ध सुविधाओं जैसे डिजिटल परिवर्तन, क्षमता निर्माण, क्लस्टर विकास, हरित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग पहल और सरकारी सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को अवगत करवाया गया कि इनके माध्यम से उद्योगों की उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता, और दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ाया जा सकता है।

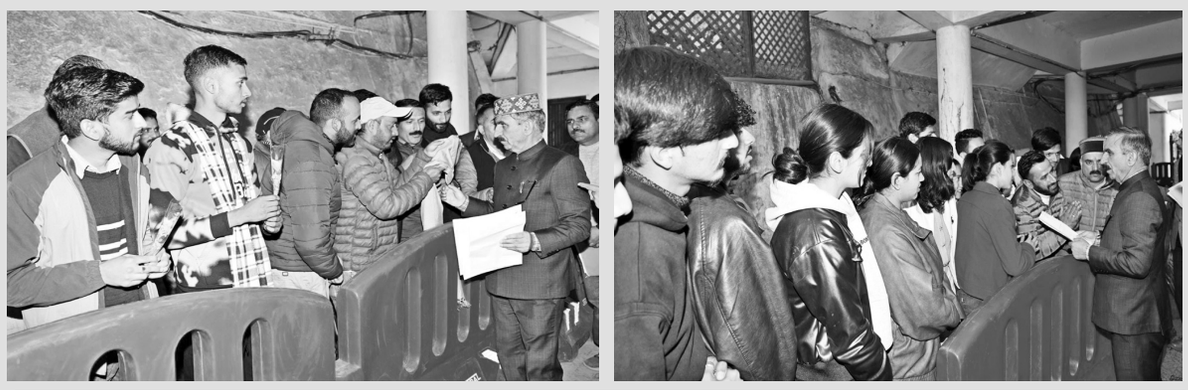

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखु 21 जनवरी 2026 को शिमला में जनता की शिकायतें सुन रहे हैं।

राजस्व मंत्री ने मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक में एचपीपीसीएल के कार्यों की समीक्षा की

शोंगटोंग जल विद्युत परियोजना का रिवर डायवर्जन कार्य पूर्ण

शिमला। राजस्व एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने आज यहां मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस मौके पर उन्होंने पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीपीसीएल) के अधिकारियों ने 450 मेगावॉट की शोंगटोंग जल विद्युत परियोजना के प्रगति कार्य को लेकर विस्तार से प्रस्तुति दी। बैठक में अवगत करवाया गया कि शोंगटोंग जल विद्युत परियोजना का रिवर डायवर्जन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैराज का कार्य 56.83 फीसदी और फीडर टनल का कार्य 81.91 फीसदी पूरा किया जा चुका है, साथ ही हाइड्रो-मैकेनिकल कार्य भी अब शुरू हो गया है। पावर कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आबिद हुसैन सादिक ने बताया कि दिसंबर, 2026 तक

एक यूनिट चलाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कारपोरेशन ने परियोजना के प्रगति कार्य में अहम उपलब्धि हासिल की है। तीन वर्टिकल प्रेशर शॉफ्ट की वाइडनिंग और पावर हाउस के यूनिट एक को पूर्ण कर लिया है। राजस्व मंत्री ने प्रगति कार्य पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को लिप्पा परियोजना के कार्य में भी तेजी लाने और परियोजना को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में निदेशक कार्मिक एवं वित्त नरेश ठाकुर, निदेशक सिविल सुरेंद्र कुमार, महाप्रबंधक शोंगटोंग कड़छम जल विद्युत परियोजना सुनील कंवर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पीएमजीएसवाई- के अंतर्गत राज्य को मिली स्वीकृतिः लोक निर्माण मंत्री

ग्रामीण सड़क परियोजनाओं के लिए 2,247.24 करोड़ रुपये मंजूर

सोलन। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज यहां कहा कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-? बैच-? के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश द्वारा प्रस्तावित सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि इन प्रस्तावों की समीक्षा सशक्त समिति द्वारा 4 नवंबर, 2025 को आयोजित बैठक में की गई थी और समिति की सिफारिशों तथा राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत अनुपालन रिपोर्ट के आधार पर इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि 294 सड़क कार्यों को स्वीकृति दी गई है, जिनकी कुल लंबाई 1,538.058 किलोमीटर तथा लागत 2,247.24 करोड़ रुपये है। इसमें से 2,019.70 करोड़ रुपये ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा वहन किए जाएंगे, जबकि राज्य सरकार का अंश 227.54 करोड़ रुपये होगा, जिसमें उच्च विनिर्देश लागत के रूप में 3.124 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसकी प्रति किलोमीटर औसत लागत 146.11 लाख रुपये निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि इनमें से चार सड़कें बिलासपुर, 65 चंबा, दो हमीरपुर, 12 कांगड़ा, आठ किन्नौर, 65 कुल्लू, दो लाहौल-स्पीति, 23 मंडी, 97 शिमला, 11 सिरमौर, तीन सोलन तथा दो ऊना जिले के लिए स्वीकृत की गई हैं। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि स्वीकृत परियोजनाओं से राज्य के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में सड़क संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे लोगों की आवाजाही सुगम होने के साथ-साथ आवश्यक सेवाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी तथा स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसरों में वृद्धि होगी। लोक निर्माण मंत्री ने केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजनाएं राज्य सरकार की ग्रामीण अवसंरचना को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेंगी। प्रदेशवासियों को सुरक्षित, विश्वसनीय और हर मौसम में सड़क संपर्क उपलब्ध कराने में भी सहायक सिद्ध होंगी।

राजस्व मंत्री ने मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता की

31 मार्च तक भूमि का ब्यौरा देने के दिए निर्देश

छह माह के भीतर तकसीम के मामलों का निपटारा करने के दिए निर्देश

शिमला। राजस्व एवं जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रिमंडलीय उप-समिति की तीसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जिला के उपायुक्त वर्चुअल माध्यम से बैठक में जुड़े।

बैठक में अवगत करवाया गया कि राजस्व विभाग द्वारा विभिन्न विभागों को हस्तांतरित और उपयोग में लाई गई भूमि में अंतर पाया गया है। राजस्व विभाग द्वारा वर्ष, 2016 से कृषि विभाग को 399-14 बीघा, पशुपालन विभाग को 3029 बीघा, सहकारिता विभाग को 01-73-15 हेक्टेयर, शिक्षा विभाग को 1135-18 बीघा, मत्स्य पालन विभाग को 140 बीघा, स्वास्थ्य विभाग को 257-23 बीघा, गृह विभाग को 364-15 बीघा, न्यायपालिका को 319-17-18 बीघा, बागवानी विभाग को 68-15 बीघा, आवासीय विभाग को 3294

बीघा, उद्योग विभाग को 20601-14 बीघा, बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा विभाग को 3841 बीघा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को 252-18 बीघा, तकनीकी शिक्षा विभाग को 122-01 बीघा, पर्यटन को 718-16 बीघा, परिवहन विभाग को 89-17 बीघा और युवा सेवाएं एवं खेल विभाग को 123-05 बीघा भूमि हस्तांतरित की जा चुकी है। राजस्व मंत्री ने सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिला में सभी विभागों के साथ बैठक आयोजित कर 31 मार्च, 2026 तक भूमि का आंकड़ा एकत्रित करें। इसके लिए गूगल स्प्रेडशीट सभी जिला उपायुक्तों के साथ साझा की जाएगी जिसमें वह अपने-अपने जिला की उपयोग में नहीं लाई गई भूमि और खाली पड़ी भूमि का ब्यौरा देंगे। बैठक में अवगत करवाया गया कि संबंधित विभाग को भूमि हस्तांतरित होने के बाद दो वर्ष तक इस्तेमाल न किए जाने की स्थिति में भूमि राजस्व विभाग को वापस की जाती है। इस अवसर पर राजस्व लोक अदालतों के मामलों पर भी चर्चा हुई। राजस्व मंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा संशोधन के बाद हिमाचल भू-सुधार अधिनियम 1954 की धारा-123 के तहत नायब-तहसीलदार और तहसीलदार छह माह के भीतर तकसीम के मामलों का निपटारा करने के निर्देश दिए। इसी तरह निशानदेही के मामलों के लिए दो माह का समय और दुरूस्ती के मामलों के लिए तीन माह का समय निर्धारित किया गया है।

विकास खंड नूरपुर की ग्राम पंचायत वासा में उचित मूल्य की दुकान के लिए आवेदन आमंत्रित

कांगड़ा, । जिला नियंत्रक, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, कांगड़ा पुरूषोतम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि विकास खंड नूरपुर की ग्राम पंचायत वासा के वार्ड नम्बर-02 में उचित मूल्य की दुकान के संचालन हेतु पात्र इच्छुक अभ्यर्थियों, संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इसके लिए सहकारी सभाएं, महिलाओं द्वारा संचालित समूह, एकल नारी, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक, शिक्षित बेरोजगार व्यक्ति जिसके परिवार से कोई सरकारी सेवा में न हो इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिए तथा दसवीं पास शैक्षणिक योग्यता व अन्य निर्धारित योग्यताओं को पूरा करना अनिवार्य है।

जिला नियंत्रक ने स्पष्ट किया कि एक ही परिवार के एक से अधिक सदस्य को दुकान का आवंटन नहीं किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद, नगर निकायों, विधानसभा अथवा लोकसभा के निर्वाचित प्रतिनिधि तथा उनके परिवार जन, आटा मिल के स्वामी तथा अवयस्क आवेदन के पात्र नहीं होंगे।

उन्होंने बताया कि आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे।

बेहतर हवाई कनेक्टिविटी से प्रदेश में पर्यटन को मिलेगा बढ़ावाः ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू

मुख्यमंत्री ने संजौली हेलीपोर्ट से हेलीकॉप्टर सेवाओं का शुभारम्भ किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला के संजौली हेलीपोर्ट से हेलीकॉप्टर सेवाओं का शुभारम्भ किया। इसके साथ ही संजौली हेलीपोर्ट से कुल्लू ज़िला के भुंतर हवाई अड्डा और किन्नौर जिला के रिकांगपिओ (आईटीबीपी हेलीपैड) के लिए रोजाना हेलीकॉप्टर उड़ानें शुरू हो गई हैं।

इसके अलावा, चंडीगढ़ से संजौली हेलीपोर्ट के बीच सप्ताह में तीन दिन, सोमवार, शुक्रवार और शनिवार हेलीकॉप्टर सेवाओं का संचालन किया जाएगा। हेलीकॉप्टर का किराया संजौली से कुल्लू 3,500 रुपये प्रति यात्री, संजौली से

रिकांगपिओ 4,000 रुपये प्रति यात्री तथा संजौली से चंडीगढ़ 3,169 रुपये प्रति यात्री निर्धारित किया गया है। शीघ्र ही संजौलीदूरामपुरदूरिकांगपिओ और संजौलीदूमनाली (सासे हेलीपैड) के लिए भी हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू की जाएंगी। इसके लिए डीजीसीए को प्रस्ताव भेजे गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सेवाएं पर्यटन से जुड़े लोगों और आम जनता दोनों के लिए बहुत फायदेमंद होंगी। यह एक पुरानी मांग थी, जो अब पूरी हो गई है। इस सेवा से यात्रा सुविधाजनक होने के साथ-साथ समय की बचत भी होगी।

उन्होंने कहा कि संजौली हेलीपोर्ट आईजीएमसी अस्पताल के पास है, जिससे मेडिकल इमरजेंसी में भी काफी मदद मिलेगी। राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और हेलीकॉप्टर सेवाओं से राज्य की हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर जिले के मुख्यालय और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर हेलीपोर्ट बना रही है। जिला हमीरपुर के जसकोट, कांगड़ा के रक्कड़ और पालमपुर तथा चंबा में चार हेलीपोर्ट का काम अगले मार्च-अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। हर हेलीपोर्ट पर लगभग 15 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इससे उच्च वर्ग के पर्यटक हिमाचल आएंगे और लोगों की आय भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने एक हज़ार करोड़ रुपये ऐसी इमारतों पर खर्च किए, जो बेकार और खाली पड़ी हैं। संजौली हेलीपोर्ट का शिलान्यास 13 सितंबर, 2017 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार के समय हुआ था। इसका निर्माण लगभग 15.86 करोड़ रुपये की लागत से किया गया। हालांकि हेलीपोर्ट का उद्घाटन 12 जनवरी, 2022 को हो गया था, लेकिन डीजीसीए की मंजूरी न मिलने के कारण सेवाएं शुरू नहीं हो सकीं। वर्तमान प्रदेश सरकार के प्रयासों से 7 अगस्त, 2025 को उड़ानों की अनुमति मिली। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष आर.एस. बाली, विधायक नीरज नैय्यर, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, निदेशक पर्यटन विवेक भाटिया, उपायुक्त अनुपम कश्यप और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

'युद्ध नशेयां विरुद्ध': 326वें दिन पंजाब पुलिस ने 152 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश से नशा के खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा चलाई जा रही नशा के विरुद्ध जंग "युद्ध नशेयां विरुद्ध" के लगातार 326वें दिन पंजाब पुलिस ने बुधवार को 309 जगहों पर छापेमारी की जिससे प्रदेश भर में 152 नशा तस्करों को गिरफ्तार करके 78 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके साथ, 326 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 45,748 हो गई है।

छापेमारी के नतीजे के रूप में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 377 ग्राम हेरोइन, 1529 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 5200 रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और सीनियर पुलिस सुपरिंटेंडेंट को पंजाब को नशा मुक्त प्रदेश बनाने के लिए कहा है। पंजाब सरकार ने नशा के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का गठन भी किया है।

64 गजेटेड अधिकारियों की निगरानी के तहत 800 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की नफरी वाली 100 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 309 जगहों पर छापेमारी की। पुलिस टीमों ने दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान 319 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की।

राज्य सरकार ने राज्य से नशा के खात्मे के लिए तीन-पक्षीय रणनीति - इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन एंड प्रिवेंशन - लागू की है, पंजाब पुलिस ने 'नशा मुक्ति' के हिस्से के रूप में आज 27 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास का इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

सीजीएसटी लुधियाना ने लोहे और इस्पात निर्माण क्षेत्र में 311 करोड़ रुपये के नकली जीएसटी बिलिंग घोटाले का पर्दाफाश किया; पिता-पुत्र दोनों गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
लुधियाना (ब्यूरो)। विशेष खुफिया सूचना के आधार पर, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) कमिश्नरेट, लुधियाना के अधिकारियों ने 19 जनवरी 2026 को लुधियाना में कई तलाशी अभियान संचालित किए, जिनमें 311 करोड़ रुपये के बड़े नकली जीएसटी चालान घोटाले का खुलासा हुआ। लोहे और इस्पात क्षेत्र की एक प्रमुख निर्माण कंपनी ने इन नकली जीएसटी चालानों का लाभ उठाकर 47.50 करोड़ रुपये के अवैध इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) का इस्तेमाल अपनी जीएसटी देनदारियों की पूर्ति में किया, जिससे सरकारी राजस्व को काफी नुकसान हुआ।

तलाशी अभियानों के उपरांत, पिता-पुत्र की जोड़ी, जो इन फर्मों का संचालन और नियंत्रण कर रहे थे, केंद्रीय जीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

पूरी जांच अभी जारी है, ताकि इस घोटाले के नेटवर्क का पूरा दायरा उजागर किया जा सके और इसमें शामिल अन्य संस्थाओं की पहचान की जा सके।

सीजीएसटी लुधियाना कमिश्नरेट कर धोखाधड़ी का पता लगाने तथा ईमानदार करदाताओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के अपने संकल्प को पुनः दोहराता है।

यूनाइटेड सिख्स ऑस्ट्रेलिया ने विक्टोरिया संकट पर तत्काल राहत कार्य शुरू किए

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विक्टोरिया में 7 जनवरी 2026 को भड़की भीषण बुशफायर (जंगल की आग) ने क्षेत्रीय समुदायों में भारी तबाही मचाई है। हजारों घर नष्ट हो चुके है, अनेक परिवार बेघर हो गए है और स्थानीय संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है। इस गंभीर स्थिति में यूनाइटेड सिख्स ऑस्ट्रेलिया ने प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता दिखाते हुए तत्काल राहत कार्य शुरू किए है।

आग ने विक्टोरिया के कई इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया है, जिनमें स्ट्रैथबोगी, टॉवॉन्ग, मैन्सफील्ड, मुर्रिंडिंडी और नैटिमुक सबसे अधिक प्रभावित है। विक्टोरियन सरकार के अनुसार हजारों लोगों को अपने घर खाली करने पड़े है और आपातकालीन राहत केंद्रों पर भारी भीड़ है। आपातकालीन प्रबंधन मंत्री ने आपदा सहायता उपलब्ध कराने की पुष्टि की है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर मानवीय ज़रूरतें अब भी पूरी नहीं हो पा रही है।

इस अवसर पर यूनाइटेड सिख्स ऑस्ट्रेलिया ने स्किप्टन में सामुदायिक रसोई के अलावा बैलारेट पोनी क्लब में भी अपनी सेवाएं शुरू की है, जहां आग से प्रभावित परिवार अपने घोड़ों के साथ शरण लेने पहुंचे। स्वयंसेवकों ने गर्म भोजन और आवश्यक सामग्री वितरित की, ताकि इंसानों के साथ-साथ पशुओं की भी देखभाल हो सके। इन प्रयासों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 100 प्रभावित परिवारों और दमकलकर्मियों को भोजन और सहायता प्रदान की जा रही है।

भोजन के अलावा, संगठन स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर खाद्य सामग्री, पीने का पानी, स्वच्छता किट और प्राथमिक उपचार जैसी आपातकालीन आवश्यक वस्तुओं का वितरण कर रहा है। स्वयंसेवक लगातार संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंच बनाकर ज़रूरतमंदों की सहायता कर रहे है। राहत कार्यों को जारी रखने और विस्तारित करने के लिए यूनाइटेड सिख्स ने लंबे समय तक सुरक्षित रहने वाला खाद्य सामग्री, आवश्यक दवाइयां और प्राथमिक उपचार किट, स्वच्छता किट, साफ पीने का पानी और अस्थायी आश्रय सामग्री आदि वस्तुओं के दान की अपील की है। यूनाइटेड सिख्स ऑस्ट्रेलिया के निदेशक गुरविंदर सिंह ने कहा कि हमारा संकल्प संकट की इस घड़ी में समुदायों के साथ मजबूती से खड़े रहना है। स्किप्टन केवल एक उदाहरण है, ऐसे कई शहर है, जहां परिवार संघर्ष कर रहे है और हम उन्हें तात्कालिक राहत के साथ दीर्घकालिक सहयोग भी प्रदान करेंगे।

सॉल्युबल फर्टिलाइज़र बनाने का पायलट प्रोजेक्ट रिकॉर्ड टाइम में हुआ पूरा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ऐसे समय में जब चीन ने दुनिया भर में स्पेशल फॉस्फेट फर्टिलाइज़र के एक्सपोर्ट पर बैन 2026 तक बढ़ा दिया है, भारत ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। भारत में सॉल्युबल फर्टिलाइज़र पायलट प्लांट का पहला फेज़ सफलतापूर्वक चालू हो गया है। इसका उद्घाटन जवाहरलाल नेहरू एल्युमिनियम रिसर्च डेवलपमेंट एंड डिज़ाइन सेंटर के डायरेक्टर डॉ. अनुपम अग्निहोत्री ने किया।

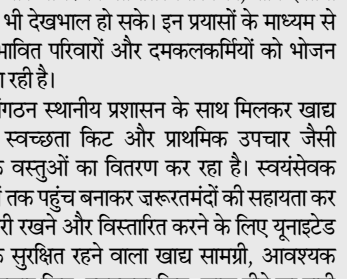

यह पायलट फैसिलिटी - J.N.A.R.D.C. द्वारा फंडेड रिसर्च प्रोजेक्ट के तहत तय समय से लगभग एक महीने पहले पूरी हो गई है। इस कामयाबी को भारत में स्पेशल और वैल्यू-एडेड फर्टिलाइज़र की स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इससे देश में सभी बड़े सॉल्युबल फर्टिलाइज़र का प्रोडक्शन हो सकेगा, जिन्हें अब तक दूसरे देशों से इंपोर्ट किया जाता था।

अगले फेज में इस पायलट प्लांट को बड़े लेवल पर बढ़ाया जाएगा, जिसे देश की आने वाली फर्टिलाइज़र कंपनियों द्वारा अपनाने के लिए तैयार किया जा रहा है। इससे न सिर्फ इंपोर्ट पर डिपेंडेंस कम होगी, बल्कि रोजगार के मौके भी मिलेंगे, टेक्नोलॉजिकल आत्मनिर्भरता का फायदा मिलेगा और लागत में कमी आएगी। मिनिस्ट्री ऑफ माइंस के तहत आने वाली नोडल एजेंसी JNARDDC, जरूरी मिनरल्स समेत कई स्ट्रेटेजिक सेक्टर्स में स्वदेशी रिसर्च और डेवलपमेंट को लगातार बढ़ावा दे रही है।

पंजाब पुलिस और एन.एच.ए.आई. ने हाईवे सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन को और बेहतर बनाने के लिए आपसी तालमेल किया मजबूत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सोच के अनुरूप राज्य की सड़कों पर सुरक्षित माहौल और बेहतर यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का सुचारू उपयोग करने हेतु पंजाब पुलिस और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एन.एच.ए.आई.) ने आज हाईवे सुरक्षा और प्रवर्तन के संबंध में सहयोग को मजबूत करने के लिए उच्च-स्तरीय तालमेल बैठक की।

स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) ट्रैफिक एवं रोड सेफ्टी पंजाब, ए.एस. राय और एन.एच.ए.आई. चंडीगढ़ के रीजनल ऑफिसर राकेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में वर्तमान और आगामी हाईवे कॉरिडोरों, जिसमें हाल ही में शुरू किया गया कुराली-खरड़-मोहाली बाइपास भी शामिल है, पर एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ए.टी.एम.एस.) के प्रभावी उपयोग पर विचार-विमर्श किया गया।

इस संबंध में विवरण साझा करते हुए स्पेशल डीजीपी ए.एस. राय ने बताया कि दोनों एजेंसियों ने रीयल-टाइम निगरानी, ऑटोमैटिक वाइलेशन डिटेक्शन और दुर्घटना स्थल पर त्वरित प्रतिक्रिया के लिए ए.टी.एम.एस. डेटा के साथ प्रवर्तन प्रोटोकॉल को एकीकृत करने पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि एजेंसियों ने रोड साइड विजिबिलिटी और जनता की सहायता बढ़ाने के लिए प्रमुख टोल प्लाज़ा और बिना टोल वाली जगहों पर ट्रैफिक सहायता पोस्टों को अपग्रेड करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि एस.एस.एफ. यूनिटों और एन.एच.ए.आई. टीमों के बीच निर्बाध संचालन संपर्क, प्रमुख कॉरिडोरों में त्वरित एवं सक्रिय सहायता सुनिश्चित करेगा।

- स्पेशल डीजीपी ए.एस. राय और एन.एच.ए.आई. के रीजनल ऑफिसर राकेश कुमार ने एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और संयुक्त प्रवर्तन प्रणाली की समीक्षा की

बैठक में, दुर्घटनाओं के समय सुचारू ढंग से निपटने के लिए एम्बुलेंस सेवाओं, रिकवरी वैनों और हाईवे पैट्रोलिंग की तैनाती के लिए इमरजेंसी हेल्पलाइन 1033 और 112 के एकीकरण पर भी समीक्षा की गई ताकि संसाधनों का सुचारू उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान चंडीगढ़ और राजपुरा रोड पर ट्रैफिक जाम की समस्या पर विचार किया गया और एन.एच.ए.आई. द्वारा 2-3 महीनों के अंदर आवश्यक सुधार करने का भरोसा दिया गया। इस दौरान यह सहमति भी बनी कि ब्लैक स्पॉट्स की नियमित पहचान और मूल्यांकन संयुक्त रूप से किया जाएगा और जिसके डेटा विश्लेषण के लिए पी.आर.एस.टी.आर.सी., जो पंजाब पुलिस का अनुसंधान विंग है, द्वारा सहायता की जाएगी। विशेष डीजीपी ए.एस. राय ने एन.एच.ए.आई. को पूर्ण भरोसा देते हुए कहा, ''हम साथ मिलकर काम करेंगे ताकि राज्य में सड़क यातायात के दौरान लोगों को अधिकतम सुरक्षा और बेहतरीन सेवाएं प्रदान की जा सकें।'' रीजनल ऑफिसर चंडीगढ़, राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, ''सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन के सुचारू प्रवर्तन से इंजीनियरिंग अधिक प्रभावशाली होगी।

भगवंत मान सरकार की 'गैंगस्टरों पर वार' के तहत 'ऑपरेशन प्रहार' ने गैंगस्टर नेटवर्क पर शिकंजा कसा; दूसरे दिन विदेशी गैंगस्टरों के 1,100 से अधित साथी और सहयोगी गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा राज्य को गैंगस्टर मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाई जा रही निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरों पर वार' के तहत पंजाब पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के अंतर्गत लगातार दूसरे दिन भी व्यापक कार्रवाई की। इस दौरान विदेशों में बैठे गैंगस्टरों के चिन्हित और मैप किए गए ठिकानों से जुड़े सहयोगियों के खिलाफ पूरे राज्य में छापेमारी की गई।

मंगलवार को गैंगस्टरों के खिलाफ बड़े स्तर पर जंग का ऐलान करते हुए पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 'ऑपरेशन प्रहार' नामक 72 घंटे लंबे अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान के तहत संगठित अपराध को जड़ से खत्म करने के लिए लगभग 12,000 पुलिस कर्मियों की तैनाती के साथ 2,000 से अधिक पुलिस टीमें राज्य भर में तैनात की गईं।

ऑपरेशन के दूसरे दिन के परिणाम साझा करते हुए पुलिस के विशेष महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला, जो इस जारी अभियान की व्यक्तिगत रूप से निगरानी के लिए मोहाली पहुंचे थे, ने बताया कि दूसरे दिन राज्य भर में विदेशी गैंगस्टरों के 1,186 सहयोगियों और सहायक अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही कुल गिरफ्तारियों की संख्या 2,500 तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के पहले दिन 1,314 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था। विशेष डीजीपी अर्पित शुक्ला ने कहा कि संगठित अपराध को सहारा देने वाली पूरी सहायता प्रणाली को ध्वस्त करने के उद्देश्य से वित्तीय नेटवर्क, लॉजिस्टिक्स, हथियार आपूर्ति श्रृंखला और संचार लिंक सहित विभिन्न पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। नागरिकों से संगठित अपराध के खिलाफ इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील करते हुए विशेष डीजीपी ने कहा कि एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से लोग वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गोपनीय रूप से जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर यदि किसी गैंगस्टर की गिरफ्तारी होती है, तो संबंधित व्यक्ति को 10 लाख रुपये तक की इनामी राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।

पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य विजय दत्त द्वारा सरकारी स्कूलों का अचानक निरीक्षण

हिन्द जनपथ
खरड़ (साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर) (ब्यूरो)। पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य श्री विजय दत्त ने बुधवार को साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर जिले के ब्लॉक कुराली एवं ब्लॉक खरड़ के विभिन्न सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) के अंतर्गत संचालित पोषण एवं खाद्य सुरक्षा योजनाओं की जमीनी हकीकत का आकलन करना था।

निरीक्षण के दौरान श्री दत्त ने मिड-डे मील की गुणवत्ता, रसोईघरों की स्वच्छता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण तथा साफ-सफाई व्यवस्था की बारीकी से जांच की। उन्होंने मिड-डे मील वर्करों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण को अनिवार्य बताते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से भोजन की गुणवत्ता को लेकर संवाद किया तथा उनके साथ बैठकर भोजन भी किया।

श्री दत्त ने सभी स्कूलों में पीने के पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। साथ ही उन्होंने स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजाब राज्य खाद्य आयोग का शिकायत/हेल्पलाइन नंबर 9876764545 प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने को कहा।

निरीक्षण के बाद श्री दत्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं खाद्य सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किचन गार्डन पर विशेष जोर

श्री दत्त ने सभी सरकारी स्कूलों में किचन गार्डन स्थापित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि जहां भी पर्याप्त भूमि उपलब्ध हो, वहां किचन गार्डन अनिवार्य रूप से विकसित किया जाना चाहिए, ताकि बच्चों को ताजी, पौष्टिक और सुरक्षित सब्जियां उपलब्ध कराई जा सकें।

इस क्रम में उन्होंने कुराली स्थित सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विकसित किए गए उत्कृष्ट किचन गार्डन की सराहना करते हुए स्कूल स्टाफ को बधाई दी और इसे अन्य स्कूलों के लिए अनुकरणीय मॉडल बताया।

10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए हवलदार को विजिलेंस ब्यूरो ने रंगे हाथों पकड़ा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही अपनी मुहिम के दौरान जिला फिरोजपुर के थाना लक्खोके बहिराम में तैनात हवलदार (हेड कांस्टेबल) हरपाल सिंह को 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है।

आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव सरूप सिंह वाला, तहसील गुरुहरसहाय, जिला फिरोजपुर निवासी की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता के भाई के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था और आरोपी हवलदार ने शिकायतकर्ता से उस मामले में मदद करने और उसके भाई को किसी अन्य मामले में नामजद न करने के बदले एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी। इस संबंध में दोषी हवलदार ने शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये रिश्वत की राशि प्राप्त की और बाकी बची राशि की मांग करता रहा। शिकायतकर्ता ने रिश्वत की मांग करते हुए आरोपी हवलदार की बातचीत रिकॉर्ड कर ली थी।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि उसकी शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी को शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो के थाना फिरोजपुर में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और इस मामले की आगे की जांच जारी है।

भगवंत मान सरकार द्वारा मानसा में 'सत्कार घर' का उद्घाटन, बुजुर्गों की सम्मानजनक देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने मानसा में सीनियर सिटीजन होम 'सत्कार घर' का उद्घाटन किया है। यह बुजुर्गों के लिए एक सुदृढ़ और मानवीय सामाजिक सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह सुविधा सामाजिक सुरक्षा तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उन बुजुर्गों को सुरक्षित, सम्मानजनक और आवासीय देखभाल सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध कराई जा रही है, जो पारिवारिक सहयोग से वंचित हैं।

'सत्कार घर' पहल जिला स्तर पर बुजुर्गों की देखभाल, सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार की व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। लंबे समय से संरचित संस्थागत सहायता की प्रतीक्षा कर रहे बुजुर्गों के लिए, पंजाब सरकार समर्पित आवासीय सेवाएं उपलब्ध कराकर उनकी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दे रही है। मानसा में 28 कनाल क्षेत्र में फैला यह सीनियर सिटीजन होम 9 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है और इसमें कुल 72 बुजुर्गों के ठहरने की क्षमता है। इस तीन मंजिला इमारत की सभी मंजिलों पर समान सुविधाएं प्रदान की गई हैं। प्रत्येक मंजिल पर सात कमरों में 24 बुजुर्ग ठहर सकते हैं। यह लेआउट सभी बुजुर्गों के लिए सुगम पहुंच, आराम और ठहराव की समानता सुनिश्चित करता है। इन बुजुर्गों के लिए सुचारु संचालन और निरंतर देखभाल सुनिश्चित करने हेतु 19 पदों को मंजूरी दी गई है, जो देखभाल, रख-रखाव और प्रशासनिक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इसके अतिरिक्त, 24 घंटे सहायता प्रदान करने और बुजुर्गों की दैनिक आवश्यकताओं को समय पर पूरा करने के लिए आउटसोर्स स्टाफ के माध्यम से कार्यों का प्रबंधन किया जा रहा है।

बाल सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी प्ले-वे स्कूलों हेतु अनिवार्य ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल लॉन्च: डॉ. बलजीत कौर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा बच्चों के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बुधवार को पंजाब भवन में आयोजित एक मीडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान प्ले-वे स्कूलों के लिए एक ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल की शुरुआत की घोषणा की।

- छह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए आंगनवाड़ियों, प्ले-वे एवं प्राथमिक स्कूलों में एक समान खेल-आधारित पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा: डॉ. बलजीत कौर
- पंजाब सरकार प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है क्योंकि 90 प्रतिशत मस्तिष्क विकास छह वर्ष की आयु से पहले होता है: डॉ. बलजीत कौर
- मिशन आरंभ के तहत बच्चों की दैनिक सीखने की प्रक्रिया से अभिभावकों को सीधे जोड़ा गया: डॉ. बलजीत कौर

मीडिया को संबोधित करते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा, "पंजाब में संचालित सभी प्ले-वे स्कूलों तथा छह वर्ष से कम आयु के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने वाले निजी स्कूलों के लिए इस पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य होगा। बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और समग्र विकास की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।"

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री ने जानकारी दी कि छह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए एक समान पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है, जिसे आंगनवाड़ी केंद्रों, प्ले-वे स्कूलों और प्राथमिक स्कूलों में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, "आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण फरवरी के मध्य तक पूरा कर लिया जाएगा। बच्चों पर पुस्तकों का बोझ डालने के बजाय, शिक्षा खेल-आधारित और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से दी जाएगी।"

प्रारंभिक बाल देखभाल के महत्व को रेखांकित करते हुए मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा, "किसी बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 90 प्रतिशत विकास शून्य से छह वर्ष की आयु के बीच होता है। इसलिए इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उचित पोषण प्रदान करना पंजाब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

उन्होंने आगे बताया कि मिशन आरंभ के तहत अभिभावकों को बच्चों की दैनिक सीखने की प्रक्रिया से सक्रिय रूप से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा, "डिजिटल सामग्री साझा कर बच्चों को घर पर भी अपने अभिभावकों के साथ सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अब तक इस मिशन के अंतर्गत 2,941 अभिभावक समूह बनाए जा चुके हैं ताकि बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में अभिभावकों की भागीदारी को सुदृढ़ किया जा सके। अभिभावकों को उनके मोबाइल फोन पर प्रतिदिन गतिविधियाँ भी भेजी जा रही हैं, जिससे वे घर पर अपने बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग ले सकें।"

बुनियादी ढांचा विकास के बारे में बोलते हुए मंत्री ने कहा, "1,000 नए आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण के लक्ष्य के तहत 100 करोड़ की लागत से 1,000 आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें प्रत्येक केंद्र पर लगभग 10 लाख खर्च किए जा रहे हैं। इनमें से 700 केंद्र पहले ही पूरे हो चुके हैं, जिनमें हवादार कमरे, उचित रसोई, शिशु शौचालय, बाला पेंटिंग्स और आधुनिक फर्नीचर की व्यवस्था की गई है। शेष 300 केंद्र भी शीघ्र ही पूरे कर लिए जाएंगे।"

संपादकीय

संकीर्ण सोच के चलते अधर में अनाथों का भविष्य?

यह विचित्र विडंबना है कि एक ओर बड़ी संख्या में दंपति बच्चों को गोद लेने के लिए बरसों इंतजार करते हैं, तो दूसरी ओर ऐसे अनाथ बच्चे भी हैं, जो उम्र बढ़ने के साथ गोद लिए जाने से वंचित रह जाते हैं। केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के आंकड़े बताते हैं कि गोद लेने के मामले में समाज का नजरिया किस कदर संकुचित है। इस समय प्राधिकरण के पास ऐसे कई बच्चे हैं, जिनकी उम्र छह वर्ष या इससे अधिक हो गई है।यह दुखद है कि कई दंपति बच्चा तो गोद लेना चाहते हैं, लेकिन साथ ही उम्र सीमा भी तय कर देते हैं। आज भी लोग नवजात शिशु अथवा पांच साल तक के बच्चों को ही गोद लेना पसंद करते हैं। सवाल है कि संतान सुख पाने के लिए क्या यह नजरिया सही है? उम्र और रंग-रूप के आधार पर बच्चों में भेदभाव करने की प्रवृत्ति को स्वस्थ सोच कहा जा सकता है?गौरतलब है कि गोद लेने की प्रक्रिया के साथ प्रतीक्षा सूची लंबी होने का खमियाजा बच्चों को ही भुगतना पड़ता है। कई बार दंपति की जटिल शर्तों से उनकी उपेक्षा ही होती है। इस जद्दोजहद के बीच कई बच्चे पांच-छह साल की उम्र पार कर जाते हैं और उनके गोद लिए जाने की उम्मीद धुंधली होती जाती है। अगर निसंतान दंपति अपनी सामाजिक सोच बदलें, तो बड़ी उम्र के बच्चों को भी परिवार मिल सकता है और उनका भविष्य संवर सकता है।वैसे भी बड़े बच्चे समझदार होते हैं और धीरे-धीरे माता-पिता से जुड़ाव के साथ नए परिवार में भी घुल-मिल जाते हैं। अगर दंपति धैर्य रखें और ऐसे बच्चों को प्यार एवं प्रोत्साहन दें, तो यह उनके लिए भी सुखद होगा। निस्संदेह हर बच्चे का अपना घर-परिवार होना चाहिए। इसलिए सामाजिक सोच में बदलाव जरूरी है, ताकि अनाथ बच्चों को भी सामान्य बच्चों की तरह खुशहाल जिंदगी मिल सके और वे अपने सपनों को पूरा कर सकें।परिवार में शामिल होने पर अनाथ बच्चे खुद को मूल्यवान महसूस करते हैं व इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि वे समाज में सम्मान के भी हकदार होते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 36 में से 30 राज्य अध्यक्षों के चुनाव के बाद शुरू हुई, जो आवश्यक 50 प्रतिशत की सीमा को पार कर गया। चुनाव कार्यक्रम और मतदाता सूची की घोषणा 16 जनवरी, 2026 को की गई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में नितिन नबीन को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य वरिष्ठ नेता इस अवसर पर उपस्थित थे। 45 वर्षीय नबीन निर्विरोध चुने गए और पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, जिससे वे इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा अध्यक्ष बन गए हैं। इससे पहले 15 दिसंबर को उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था।

अटल-आडवाणी से नड्डा-नबीन तक.., अब 45 साल के युवा को सम्मान

(अभिनय आकाश)

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 36 में से 30 राज्य अध्यक्षों के चुनाव के बाद शुरू हुई, जो आवश्यक 50 प्रतिशत की सीमा को पार कर गया। चुनाव कार्यक्रम और मतदाता सूची की घोषणा 16 जनवरी, 2026 को की गई। नामांकन प्रक्रिया सोमवार को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच हुई, जिसमें नितिन नबीन के पक्ष में कुल 37 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित कई शीर्ष नेता प्रस्तावक थे। 1980 में भाजपा की स्थापना के बाद से कई प्रभावशाली नेताओं ने संगठन की बागडोर संभाली है। प्रत्येक अध्यक्ष ने पार्टी की वैचारिक दिशा, संगठनात्मक संरचना और चुनावी रणनीति को अपने विशिष्ट तरीके से आकार दिया है। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में शुरुआती वर्षों से लेकर नितिन नबीन के नेतृत्व में वर्तमान नेतृत्व तक, भाजपा अध्यक्षों का सफर एक छोटी राजनीतिक इकाई से सदस्यता के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने तक पार्टी के विकास को दर्शाता है। लाल कृष्ण आडवाणी बीजेपी के नए अध्यक्ष बन गए। अब बीजेपी में नेतृत्व आडवाणी का था और नियंत्रण संघ का। इसलिए बीजेपी ने हिंदुत्व का रास्ता अख्तियार किया। इसके बाद ये रास्ता बनता हुआ खुद पर खुद बनता चला गया। मुरली मनोहर जोशी (1991 से 1993) 1991 का चुनाव बीजेपी ने राम मंदिर के मुद्दे पर लड़ा और उसने 120 सीटें जीत लीं। इस साल बीजेपी देश की नंबर दो पार्टी बन गई। बीजेपी को लग गया कि सत्ता की संजीवनी चाहिए तो राम नाम से राष्ट्रवाद पर जाना होगा। इसी दौर में बीजेपी में मुरली मनोहर जोशी अध्यक्ष बन गए थे। दिसंबर 1991 में उनकी तिरंगा यात्रा निकली जिसका मकसद 26 जनवरी 1992 को श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराना था। लालकृष्ण आडवाणी (1993 से 1998) हिंदुत्व और राम के नाम पर बीजेपी बहुत तेजी से आगे बढ़ रही थी। 1984 में 2 सीटों पर सिमटी महज सात वर्षों में ही देश की नंबर दो पार्टी बन गई थी। ये सब हुआ लाल कृष्ण आडवाणी की बदौलत। साल 1993 में आडवाणी एक बार फिर बीजेपी के अध्यक्ष बनते हैं। आडवाणी को ये अंदाजा था कि पार्टी को नंबर टू से

नंबर 1 बनाने और इससे भी आगे प्रधानमंत्री देने के लिए कोई उदार छवि वाला चेहरा चाहिए। 1995 में वाजपेयी जी से बगैर पूछे ही उनको प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया और उनके इस ऐलान के बाद सब के सब हैरान रह गए थे। अटल जी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार बनाने में कामयाब रही। इसी दौर में भारतीय जनता पार्टी में पितृ पुरुष कहे जाने वाले कुशाभाऊ ठाकरे की बीजेपी के अध्यक्ष पद पर ताजपोशी होती है। मध्यप्रदेश में बीजेपी को मजबूत बनाने में कुशाभाऊ ठाकरे का बड़ा योगदान भी माना जाता है। 2000 में आंध्र प्रदेश से आने वाले बंगारू लक्ष्मण बीजेपी के अध्यक्ष बनाए जाते हैं। लेकिन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंगारू लक्ष्मण तहलका कांड में फंसते हैं जिसके बाद न सिर्फ उनकी कुर्सी गई बल्कि पार्टी की छवि पर भी सवाल उठा। बंगारू लक्ष्मण के हटने के बाद 2001 से 2002 तक जेना कृष्णमूर्ति रहे। वेंकैया नायडु (2002 से 2004) भारत के वर्तमान उपराष्ट्रपति और 1977 से 1980 तक जनता पार्टी के युवा शाखा के अध्यक्ष रहे वेंकैया नायडू को साल 2002 में भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है। लालकृष्ण आडवाणी (2004 से 2006) साल 2004 में इंडिया शाइनिंग के बुरी तरह फेल होने के बाद एक बार फिर से बीजेपी की कमान लालकृष्ण आडवाणी के हाथों में आ जाती है। लेकिन आडवाणी के नेतृत्व में बीजेपी को 2009 के चुनाव में भी शिकस्त ही मिलती है। इस दौरान बीजेपी ने राजनाथ सिंह से लेकर नितिन गडकरी तक अपने अध्यक्ष बदले। लेकिन पार्टी में बड़ा बदलाव मोदी लेकर आए। जिनके नाम और छवि पर बीजेपी पूर्ण बहुमत पाने में कामयाब हो पाई। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव 20 जनवरी को हुआ और कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा की इस दिन से अगले तीन साल के लिए पूर्णकालिक अध्यक्ष के तौर पर ताजपोशी हुई। जेपी नड्डा को 17 जून 2019 को पार्टी ने कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। नितिन नबीन बिहार के एक वरिष्ठ भाजपा नेता हैं जिनकी राजनीति में गहरी पकड़ है। पटना में जन्मे नितिन नबीन, दिवंगत नबीन किशोर प्रसाद सिन्हा के पुत्र हैं, जो भाजपा के एक सम्मानित नेता और पूर्व विधायक थे। पिता के असामयिक निधन के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा और धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक पहचान बनाई। पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से प्रतिनिधि नितिन नबीन को राज्य में भाजपा के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक माना जाता है। 2006 में उपचुनाव में जीत के बाद, उन्होंने 2010, 2015, 2020 और 2025 में लगातार चार विधानसभा चुनाव जीते हैं। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में नबीन ने बांकीपुर से निर्णायक जीत हासिल की और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 51,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया। उनकी लगातार चुनावी सफलता ने पार्टी के भीतर उनकी स्थिति को और मजबूत किया है। वर्तमान में, नबीन बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में सड़क निर्माण और शहरी विकास मंत्रालय संभाल रहे हैं। यह उल्लेखनीय है कि भाजपा और जेडीयू के गठबंधन को संभालने और एनडीए की चुनावी जीत में योगदान देने का श्रेय नबीन को ही दिया जाता है। बिहार के अलावा, नबीन छत्तीसगढ़ में भाजपा के प्रभारी भी रह चुके हैं, जो पार्टी के राष्ट्रीय ढांचे में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। सियासी परिवार से संबंध रखने वाले नितिन नबीन के पिता नबीन किशोर प्रसाद सिन्हा बीजेपी के बड़े नेता थे। वह पटना वेस्ट विधानसभा सीट से चार बार बिहार विधानसभा के लिए चुने गए। 23 मई 1980 को रांची में जन्मे नितिन नबीन ने साल 1996 में पटना के एक सीबीएसई स्कूल से दसवीं की पढ़ाई की और फिर आगे की पढ़ाई के लिए दिल्ली आ गए। उन्होंने दिल्ली के एक स्कूल से 1998 में 12वीं पास की। नितिन नबीन की पत्नी का नाम दीपमाला श्रीवास्तव है और इनके दो बच्चे हैं- एक बेटा और एक बेटी। नितिन नबीन पांच बार बिहार विधानसभा के लिए चुने जा चुके हैं। वह बांकीपुर के विधायक हैं, उन्होंने साल 2006 में पहली बार साल 2006 में पटना वेस्ट विधानसभा सीट से उपचुनाव में जीत दर्ज की। परिसीमन के बाद वह बांकीपुर विधानसभा से चुनाव लड़ रहे हैं और साल 2010, 2015, 2020 और 2025 में विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। साल 2025 में नितिन नबीन को 98,299 वोट मिले और उन्होंने राजद की रेखा कुमारी को 51,000 वोटों से हराया। नितिन नबीन बिहार की नीतीश कुमार में कई महत्वपूर्ण मंत्रालय भी संभाल चुके हैं। वह बीजेपी युवा मोर्चा के नेशनल जनरल सेक्रेटरी और बिहार युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा नितिन नबीन सिक्किम के लिए बीजेपी के इंचार्ज और छत्तीसगढ़ के को-इंचार्ज के तौर पर उन राज्यों में चुनाव प्रबंधन का काम संभाल चुके हैं। उन्हें दिसंबर 2025 में बीजेपी पार्लियामेंट्री बोर्ड ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

भ्रम में जी रहा अमेरिका... अपने रणनीतिक परोपकार दिखाने वाले मिथक को छोड़ना होगा, जानें क्यों

(अनिल कुमार)

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर खींचतान जारी है। हालांकि, अमेरिका का भारत के प्रति यह रवैया नया नहीं है। वाइट हाउस में जो भी रहा हो भारत के प्रति उसकी नीति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।

भारत-अमेरिका विवाद जैसे-जैसे छठे महीने में पहुंच रहा है, कई लोग इसे एक सफल रणनीतिक साझेदारी में एक अजीब घटना मान रहे हैं। वे इस संकट के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दोषी ठहराते हैं। वे लोग यह तर्क देते हैं कि उन्होंने भारत के साथ झगड़ा करने के लिए दशकों पुरानी अमेरिकी नीति से बेवजह किनारा कर लिया है। यह सोच गलत है। मौजूदा संकट का स्वरूप वाकई में ट्रंप जैसा ही है, उनकी दादागिरी वाली चालों की वजह से। हालांकि, इसके पीछे के तनाव के कारण उनके बनाए हुए नहीं हैं।

असल में, भारत और अमेरिका पिछले कुछ सालों से किसी न किसी तरह के टकराव की ओर बढ़ रहे थे, चाहे वाइट हाउस में कोई भी रहा हो। रिश्ते में एक बड़ी दिक्कत यह है कि अमेरिका का मानना है कि उसने भारत के साथ दरियादिली दिखाई है, लेकिन बदले में उसे कुछ नहीं मिला। अमेरिकी पॉलिसी बनाने वाले अक्सर भारत के प्रति वॉशिंगटन के रवैये को बताने के लिए 'स्ट्रेटेजिक अल्ट्रूइज्म' (सामरिक परोपकार) शब्द का इस्तेमाल करते हैं।

भारत को क्यों सपोर्ट कर रहा था अमेरिका

कहानी यह है कि अमेरिका ने 2000 के दशक के बीच से भारत के उदय को बिना किसी लेन-देन की शर्त के सपोर्ट किया है, क्योंकि चीन के मुकाबले एक लोकतांत्रिक ताकत के तौर पर भारत का उभरना लंबे समय में अमेरिकी हितों के लिए फायदेमंद होता। देश अक्सर यह मानने लगते हैं कि वे अपने पार्टनर को जितना देते हैं, उससे अधिक पाते हैं। लेकिन 'स्ट्रेटेजिक अल्ट्रूइज्म' की कहानी इस सोच को एक खतरनाक भ्रम में बदल देती है।

हालांकि भारत को इस पार्टनरशिप से निश्चित रूप से बहुत फायदा हुआ है, लेकिन वॉशिंगटन ने कभी भी बराबरी की मांग करने से पीछे नहीं हटा है। इसके अलावा, वह हमेशा नई दिल्ली से अपनी बात मनवाने के लिए कई तरह के तरीके अपनाने को तैयार रहा है, जिसमें पर्दे के पीछे से मनाना, राजनीतिक और डिप्लोमैटिक दबाव, और प्रतिबंधों की धमकी शामिल है।

सच तो यह है कि अमेरिका ने 2000 के दशक के बीच में खुले दिल से कई डिप्लोमैटिक रियायतें देकर भारत को रणनीतिक पार्टनरशिप के लिए राजी किया था। उसने एडवांस्ड टेक्नोलॉजी तक पहुंच दी। भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग देखने का वादा किया। साथ ही, भारत को असल में एक न्यूक्लियर पावर के तौर पर पहचानने का सौदा किया। उसने यह भी वादा किया कि वह 21वीं सदी में भारत को एक बड़ी वर्ल्ड पावर बनने में मदद करेगा।

हालांकि, अमेरिका को बदले में बहुत कुछ चाहिए था। चीन के मुकाबले भारत को एक ताकत के तौर पर बढ़ावा देने के अलावा, वह अफगानिस्तान, ईरान और रूस के मामलों में नई दिल्ली का सहयोग चाहता था। भारतीय बाजारों तक अधिक पहुंच चाहता था, और भारत के डिफेंस इंपोर्ट और न्यूक्लियर सेक्टर में भी जगह बनाना चाहता था। उसे यह भी उम्मीद थी कि नई दिल्ली आखिरकार एशिया में सुरक्षा बनाए रखने में उसका कुछ बोझ बांटेगी।

वॉशिंगटन को उम्मीद थी कि न्यूक्लियर डील खत्म होते ही उसे इसका फायदा मिलेगा। जब भारत ने अमेरिकी फाइटर जेट्स के बजाय फ्रेंच राफेल को चुना, तो उसने जोरदार विरोध किया। जब भारत ने न्यूक्लियर नुकसान के लिए सिविल लायबिलिटी एक्ट पास किया, जो अमेरिकी न्यूक्लियर इंडस्ट्री को पसंद नहीं था, तो अमेरिका बहुत गुस्सा हुआ। भारतीय संरक्षणवाद, विदेशी निवेश और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स को लेकर कई कड़े व्यापार विवाद शुरू हो गए।

ओबामा प्रशासन ने रिश्तों को ठंडा करके अपनी नाराजगी जाहिर की। जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज (जीएसपी) के तहत भारत के व्यापार लाभों को रद्द करने की धमकी दी। व्यापार के मुद्दों पर नई दिल्ली पर लगातार दबाव बनाया। नई चुनी गई मोदी सरकार ने कई बातों पर झुककर ही रिश्ते सुधारे, जैसे अमेरिका से अपने रक्षा खरीद को काफी बढ़ाना, परमाणु जवाबदेही के सवाल पर सहमति बनाना और अहम व्यापार मुद्दों पर सहमत होना। अमेरिका ने भारत पर दबाव डाला कि वह सिर्फ चीन ही नहीं, बल्कि दूसरी जगहों पर भी अमेरिकी जियोपॉलिटिकल प्रोजेक्ट्स के साथ चले। उदाहरण के लिए, उसने सिस्टमैटिक तरीके से नई दिल्ली को तेहरान से दूर किया। बुश एडमिनिस्ट्रेशन ने भारत को इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी में ईरान के खिलाफ वोट देने के लिए मनाया। इंडिया-पाकिस्तान-ईरान पाइपलाइन को खत्म करने के लिए दबाव डाला। ओबामा एडमिनिस्ट्रेशन ने भारत सरकार पर ईरानी तेल की खरीद कम करने के लिए दबाव डाला। पहले ट्रंप प्रशासन ने ईरान के साथ भारत के व्यापार को और सीमित करने के लिए अधिकतम दबाव अभियान शुरू किया था। नतीजतन, ईरान 2007 में भारत के कच्चे तेल आयात का 17वां सप्लाई करता था, जो 2020 में लगभग शून्य हो गया। अमेरिका रूस के रक्षा निर्यात से भारत को दूर करने में कम सफल रहा है, हालांकि उसने कोशिश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। फिर भी, पिछले कुछ सालों से वॉशिंगटन में भारतीय 'कृतघ्नता' की शिकायतें बढ़ रही हैं। 'रणनीतिक परोपकार' की यह कहानी भारत के अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने पर जोर देने से बढ़ती निराशा के साथ जुड़ गई है। अमेरिकी सरकार तब निराश हुई जब 2020 में गलवान घाटी में चीन के साथ टकराव के बाद भी भारत ने अमेरिका के साथ गठबंधन नहीं किया। रूस-यूक्रेन युद्ध में पश्चिम का साथ देने से नई दिल्ली के इनकार पर भी उसे गुस्सा आया। ट्रम्प के कड़े रवैये ने इस दरार को और भी अधिक स्पष्ट कर दिया है, लेकिन उनकी मांगें अपने पहले वालों जैसी ही हैं। अधिक मार्केट एक्सेस, रूस (और ईरान) पर कम निर्भरता, और चीन के साथ मुकाबले में अमेरिका को अधिक सपोर्ट। मौजूदा संकट के दौरान, नई दिल्ली और वॉशिंगटन दोनों ने संकेत दिया है कि वे पार्टनरशिप को महत्व देते हैं और इसे बनाए रखना चाहते हैं। हालांकि, रणनीतिक परोपकार का भ्रम अवास्तविक उम्मीदों और नाराजगी को बढ़ावा देकर रिश्ते को खतरे में डालता है। वॉशिंगटन जितनी जल्दी इस भ्रम को छोड़ देगा, पार्टनरशिप के लंबे समय के स्वास्थ्य के लिए उतना ही अच्छा होगा। (लेखक नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर में इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज में विजिटिंग रिसर्च फेलो हैं।)

वर्ग पहेली 5981

संकेतः बाएं से दाएं

1. 28 मई 2008 को भारत के इस पडौसी देश ने 240 साला पुरानी राजशाही का अवसान हुआ (3)
4. विश्व में गेंहू की मंडी के नाम से विख्यात विनिपेग नाग इस देश में स्थित है (3)
7. मूल्य, दाम, मोल (3)
8. नापने का मापदंड, रूप (3)
9. आवरण या अवरोध हटाना, बंधन रहित करना (3)
10. जिसके अवयव पास-पास सट हो, सघन (2)
12. गति, चाल (3)
13. उत्कृष्ट, नितांत, पराकाष्ठात्मक (3)
14. भिन्न अर्थ वाला, अर्थहीन (3)
16. मुख्य लोगों का दरबार (5)
18. आर्द्रता युक्त, अधिक गीला (2)
19. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
20. गुजरात का एक प्रसिद्ध व्यंजन (3)
21. यह लेबनान की राजधानी है (3)
22. यह महर्षि परशुराम का शस्त्र है (3)

ऊपर से नीचे

1. निर्देशक केदार शर्मा ने राकेश रोशन के पिता संगीतकार रोशन को इस फिल्म (1949) में मौका दिया था (6)
2. हथेली को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
3. हमेशा लातें खाने वाला (4)
4. श्रमादि करके धन उपार्जि करना (3)
5. तंदूर में पकाई जाने वाली मोटी खमीरी रोटी (2)
6. पोस्टऑफिस, डाकखाना (4)
11. हिंदुओं के सोलह संस्कारों में से एक जिसमें बालक का नाम रखा या स्थिर किया जाता है (5)
13. पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर (2)
14. प्राकृतिक झील, खाड़ी (3)
15. रक्त वाहिनी नली, रग (2)
17. ईश्वर का दिया हुआ धन आदि (3)
18. टौंस नामक नदी (3)
20. कड़ा, तीक्ष्ण, गधा (2)

वर्ग पहेली 5980 का हल

ज	वा	ह	र	ला	ल	■	स्व
न	ह	र	■	ल	ब	रे	ज
क	■	जा	पा	न	■	व	न
सु	ना	ना	■	पा	व	ती	■
ता	न	■	कि	ल	य	■	बे
■	का	बा	■	न	■	गु	रू
अ	र	ब	■	■	ज	मा	त
र्थ	■	र	घु	नं	द	न	■

बसंत पंचमी पर पाएं मां सरस्वती की कृपा, घर में इन स्थानों पर जलाएं दीपक, कैरियर में मिलेंगी सफलता

(दिव्यांशी भदौरिया)

बसंत पंचमी 2026 पर मां सरस्वती की कृपा से करियर में सफलता पाने के लिए ज्योतिष शास्त्र में विशेष उपाय बताए गए हैं। इस दिन शाम को घर के पूजा स्थान, स्टडी टेबल, मुख्य द्वार, ईशान कोण और

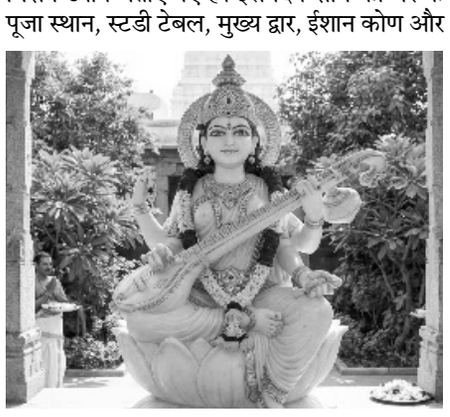

तुलसी के पास दीपक जलाने से ज्ञान में वृद्धि होती है और सभी बाधाएं दूर होती हैं।

माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी का त्योहार मनाया जाता है। हिंदू धर्म बसंत पंचमी का विशेष महत्व माना जाता है और यह दिन माता सरस्वती को समर्पित है। पंचांग के अनुसार, इस बार 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी को पर्व मनाया जाएगा। बसंत पंचमी का दिन विद्या, बुद्धि, कला और ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा के लिए समर्पित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन मां सरस्वती की पूजा-अर्चना करने से करियर में सफलता प्राप्त होती है और जीवन में खुशहाली बनीं रहती हैं।

ज्योतिष शास्त्र में बताया है कि बसंत पंचमी की शाम को घर के कुछ खास स्थानों पर दीपक जलाने से मां सरस्वती की असीम कृपा मिलती हैं और करियर की सभी बाधाएं दूर होती हैं।

पूजा स्थानत्र बसंत पंचमी के दिन सबसे पहला दीपक अपने घर के मंदिर में मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने जलाएं। यदि आप शुद्ध घी का दीपक जलाएं और इसमें एक चुटकी हल्दी डाल दें। कहते हैं कि पीला रंग मां सरस्वती को बेहद प्रिय है और यह ज्ञान का भी प्रतीक है। इस उपाय से बुद्धि तेज होती है। अगर आप इस दिन अपनी किताबों की अलमारी या स्टडी टेबल के पास एक दीपक जरुर जलाएं। यह दीपक मन की चंचलता को दूर करके एकाग्रता बढ़ाता है, जिससे करियर में आने वाली रुकावटें कम होती हैं।

बसंत पंचमी की शाम को घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर दीपक जलाना शुभ होता है। मुख्य द्वार से ही घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। दीपक जलाने से जीवन का अंधकार और नकारात्मकता दूर होती है। इसके साथ ही सफलता के नए रास्ते खुलते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर-पूर्व दिशा को ईशान कोण कहा जाता है और इसे देवताओं का स्थान भी माना गया है। करियर में सफलता के लिए इस कोने में एक दीपक जरुर जलाएं।

तुलसी को साक्षात लक्ष्मी और ज्ञान का प्रतीक माना गया है। इसलिए शाम के समय तुलसी के पास एक दीपक जरुर जलाएं। ऐसा करने से घर में सुख-शांति और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वत्यै नमः।।

आज का राशिफल

मेष

आज आमदनी संतोषजनक रहेगी। इस दौरान धन प्राप्ति के कई योग बनेंगे। सायंकाल में मंगल कार्यों में व्यस्त रहेंगे। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति की संभावना बन रही है। बृहस्पति कर्क राशि पर मार्गी होगा, इससे स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। रात्रि का समय सामाजिक आयोजन में बीतेगा।

वृष

आज संपत्ति सुख में विस्तार होगा। परिवार में सुख शांति का वातावरण बनेगा। किसी बुजुर्ग से धन प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन उन्नति के साथ होगा। पारिवारिक जीवन में सरसता बनी रहेगी। अनावश्यक व्यय पर नियंत्रण रखें। सायंकाल से लेकर रात्रि तक कला संगीत का आनंद भी मिल सकता है।

मिथुन

आज नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति का योग बना हुआ है। संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा। रहन-सहन खान पान का स्तर बढ़ेगा, नए और सुन्दर-सुन्दर वस्त्रों के प्रति आपका रुझान घटेगा। नौकरी तथा व्यवसाय में भी भागीदारी व साथियों का सहयोग पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

कर्क

आज पश्चिम दिशा की राजकीय यात्रा का योग बन रहा है। संतान सुख में वृद्धि होगी और कहीं से वस्त्र का उपहार मिलेगा। उत्तम मित्रों के सहयोग से मन में निराशा का भाव समाप्त होगा। सायंकाल से रात्रि तक अध्ययन, पठन-पाठन में मन लगेगा।

सिंह

आज घर में मांगलिक कार्यों के आयोजन से मन में प्रसन्नता व व्यस्तता रहेगी। अभिन्न मित्रों के सहयोग से व्यवसाय के नए स्रोत बनेंगे। आमदनी बढ़ने, अकस्मात् बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने से मनोबल बढ़ा रहेगा। आज पाचन क्रिया मंद और वायु विकार से शरीर कष्ट दे सकता है।

कन्या

आज कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। इस दौरान आय में यथोचित वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों व लेखन आदि से भी आय होगी। हालांकि आपको क्रोध से बचना होगा। संतान पक्ष से भी उच्च शिक्षा, शोधादि में सार्थक परिणाम मिलेंगे। खान-पान पर नियंत्रण रखें।

तुला

आज आपकी इच्छा के विरूद्ध कोई कार्य मिल सकता है, जिससे आप असहज हो जाएंगे। परिवार में सर्वत्र सुख शांति रहेगी। अकस्मात् अनियोजित खर्च बढ़ सकते हैं। यदि आप नौकरी में हैं तो अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। सायंकाल के समय धार्मिक साहित्य पढ़ने में रुचि बढ़ेगी।

धनु

आज कार्यक्षेत्र में कठिनाई व परिश्रम की अधिकता रखेगा। बातचीत में सतर्क रहें, किसी संपत्ति को लेकर परिवार में विवाद की स्थिति बन सकती है। भाइयों में वैचारिक मतभेद उत्पन्न होंगे। सायंकाल से लेकर आधी रात तक निकट की यात्रा का योग है। आगे आने वाले कुछ दिन स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ

आज कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारी और धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। संपत्ति का विस्तार और संपत्ति से आय में वृद्धि होगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, कहीं जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद उत्पन्न न हो जाए। सायंकाल के समय धार्मिक आयोजन में भागीदारी या धार्मिक यात्रा हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि का स्वामी मंगल जन्म तृतीय में, मकर राशि का होकर चंद्र से दशम योग बन रहा है। माता का सानिध्य व आशीर्वाद विशेष रूप से फलीभूत होगा। बहुत समय से रुका हुआ धन किसी महापुरुष के सहयोग से प्राप्त हो जाएगा। संतान पक्ष से और बौद्धिक क्षेत्र में सुखद परिणाम मिलने से प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर

आज का दिन मान, प्रतिष्ठा की वृद्धि कर रहा है। सप्तम भाव में गुरु उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। कीर्ति की वृद्धि, शत्रु चिंताओं का दमन प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी अंत में सर्वत्र विजय, विभूति, सफलता की प्राप्ति, हर्ष मंगलमय परिवर्तन और मनोरथ सिद्धि होगी।

मीन

आज आपका दिन मिश्रित फलकारक है। धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। संपत्ति के सुधार व रख रखाव में खर्च बढ़ेगा। आज दिन में कुछ निकट के मित्रों व रिश्तेदारों का आगमन हो सकता है। संपत्ति से भी आय के नए स्रोत विकसित होंगे। देश देशान्तर से शुभ समाचार मिलेंगे। राजनीति में बढ़ते जनसंपर्क का लाभ उठाएं।

फोनपे देगी पैसा कमाने का मौका, 12000 करोड़ का आईपीओ लाएगी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक कंपनी फोनपे से आप अब आईपीओ के अपडेटेड ड्राफ्ट पेपर जमा करेगी। फोनपे

सिर्फ पेमेंट ही नहीं कर पाएंगे, बल्कि पैसा भी कमा पाएंगे। वॉलमार्ट के मालिकाना हक वाली यह कंपनी आईपीओ के जरिए करीब 12,000 करोड़ रुपये (1.3 अरब डॉलर) जुटाने की सोच रही है। आईपीओ के लिए कंपनी को सेबी से हरी झंडी मिल गई है। अगर फोनपे 12,000 करोड़ रुपये का ऑफर लाती है, तो यह किसी स्टार्टअप के लिए शेयर बाजार में दूसरा सबसे बड़ा डेब्यू होगा। यह पैसा ऑफर फॉर सेल के जरिए आएगा। ओएफएस का मतलब है कि कंपनी के मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचकर बाहर निकलेंगे। इस तरीके से कंपनी के पास कोई नया पैसा नहीं आता है। आईपीओ से आया पैसा मौजूदा शेयरधारकों को मिलेगा। आईपीओ में अपने शेयर बेचेंगे। फोनपे ने पिछले साल सितंबर में ही गोपनीय तरीके से आईपीओ के लिए अर्जी दी थी। कंपनी अगले कुछ दिनों में सेबी के पास भारत की एक बड़ी डिजिटल पेमेंट कंपनी है। इसका आईपीओ अप्रैल में आने की उम्मीद है। यह कंपनी भारत में फिनटेक सेक्टर में एक बड़ा नाम है। फोनपे ने सिंगापुर से भारत में अपना बेस बदला। साथ ही उसने डिजिटल पेमेंट के अलावा बीमा, वेल्थ मैनेजमेंट, लोन और स्टॉक ब्रोकिंग जैसे क्षेत्रों में भी विस्तार किया है। फोनपे भारत के बढ़ते फिनटेक बाजार में गूगलपे और पेटीएम जैसे खिलाड़ियों से मुकाबला करती है। भारत में डिजिटल पेमेंट का बाजार बहुत तेजी से बढ़ रहा है और इसमें अभी भी बहुत संभावनाएं हैं। सेवाओं का पूरा फायदा नहीं उठा पा रहे हैं, इसलिए फोनपे जैसी कंपनियां उनके लिए नए रास्ते खोल रही हैं। आईपीओ से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने विस्तार और नई सेवाओं को शुरू करने में कर सकती है। इससे निवेशकों को भी अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद है।

भर-भरकर भारत आ रहे रूसी तेल के टैंकर

अमेरिका ने लगाया बैन तो रूस ने ढूंढ लिया दूसरा रास्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने रूसी तेल कंपनियों पर बैन लगा दिया है। इसका असर भारत पर भी दिखाई दिया है। इसके बावजूद रूसी तेल का भारत को आयात जारी है। अमेरिकी बैन के बाद रूस ने तेल भेजने के लिए दूसरा रास्ता ढूंढ लिया है। रूस से भारत आने वाले कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा अब उन छोटे-छोटे व्यापारियों के जरिए आ रहा है, जो पहले शायद ही कभी भारत को तेल बेचते थे।

ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि रूस की बड़ी तेल कंपनी रोसनेफ्ट से आने वाले तेल की मात्रा में भारी कमी आई है। डेटा बताने वाली कंपनी केप्लर के मुताबिक, इस महीने के पहले 15 दिनों में रूस से आने वाले कुल तेल का लगभग 43 प्रतिशत हिस्सा (करीब 0.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन) पांच ऐसे ही व्यापारियों से आया है। भारत के रूसी तेल आयात में लुकोइल की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत से भी कम हो गई है।

इन जहाजों के जरिए आया तेल

जनवरी के 15 दिनों में जिन जहाजों से तेल भारत आया है उनके नाम रेडवुड ग्लोबल सप्लाई विस्टुला डेल्टा, एथोस एनर्जी, अल्गाफ मरीन और स्लावियांस्क ईसीओ हैं। ये व्यापारी दिसंबर 2025 से पहले लगभग दो साल तक भारत को एक भी तेल का जहाज नहीं भेज रहे थे। इनमें से रुसएक्सपोर्ट और स्लावियांस्क ईसीओ रूसी कंपनियां हैं, जबकि रेडवुड ग्लोबल सप्लाई, अल्गाफ मरीन और विस्टुला डेल्टा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से जुड़ी हुई हैं। अमेरिका के बैन के बावजूद रोसनेफ्ट इस महीने के पहले पंद्रह दिनों में भारत का दूसरा सबसे बड़ा रूसी तेल सप्लायर बना रहा। लेकिन केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, रोसनेफ्ट से आने वाले तेल की मात्रा साल 2025 के औसत से लगभग 75 प्रतिशत कम हो गई, जो अब करीब 225,000 बैरल प्रतिदिन रह गई है। एक और अमेरिकी प्रतिबंधों वाली कंपनी लुकोइल से भी तेल की आवक बहुत कम हो गई है। 43,000 बैरल प्रतिदिन तेल भेजा, जो पिछले साल के औसत से 84 प्रतिशत कम है।

वैश्विक आईटी सेवा क्षेत्र में भारत का दबदबा, शीर्ष-25 में 8 देसी कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं के क्षेत्र में 2026 में भी भारतीय कंपनियों का दबदबा कायम है। खास बात है कि वैश्विक आईटी रैंकिंग में भारत और अमेरिका करीब खड़े हैं। दुनियाभर की शीर्ष-25 आईटी सेवा कंपनियों में दोनों देशों की आठ-आठ संस्थाएं शामिल हैं।

ब्रांड फाइनेंस की नई रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस ने क्रमशः दुनिया के दूसरे एवं तीसरे सबसे मूल्यवान आईटी सेवा ब्रांड के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। एक्सेंचर 42.2 अरब डॉलर के मूल्य (वैल्यू) के साथ लगातार आठवें साल सबसे मूल्यवान आईटी सेवा ब्रांड चुना गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 21.2 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य वाले टीसीएस को प्रशंसा और विश्वसनीयता जैसे प्रमुख मानकों पर बेहद मजबूत स्कोर मिला है। यह इसे एक भरोसेमंद और विश्वसनीय कारोबारी साझेदार के रूप में स्थापित करता है। ब्रांड पर विचार और अनुशंसा के मामले में भी कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा, जो दीर्घकालिक ग्राहक भरोसे को बनाए रखने की क्षमता दर्शाता है। 16.4 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य वाली इन्फोसिस बीते छह वर्षों में 15 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली आईटी सेवा कंपनी रही है। कंपनी को 100 में से 86.8 के स्कोर के साथ दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत आईटी सेवा ब्रांड बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में दुनिया की शीर्ष-25 आईटी सेवा कंपनियों का संयुक्त ब्रांड मूल्य 167.2 अरब डॉलर रहा। इस सूची में आईबीएम कंसल्टिंग, कैपजेमिनी, एनटीटी डाटा, कॉग्निजेंट, ईपीएएम और जेनपैक्ट जैसी वैश्विक कंपनियां शामिल हैं।

शीर्ष-10 में एचसीएल और विप्रो भी

रिपोर्ट के मुताबिक, इस सूची में भारतीय आईटी कंपनियां एचसीएल टेक और विप्रो भी शीर्ष-10 में शामिल हैं।

गन्ने की अधिक आपूर्ति से चीनी उत्पादन 22 फीसदी बढ़ा

15 जनवरी तक चालू थीं 518 मिलें

नई दिल्ली, एजेंसी। गन्ने की अधिक आपूर्ति और बेहतर पैदावार के चलते देश का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र में 15 जनवरी तक सालाना आधार पर 22 फीसदी बढ़कर 1.59 करोड़ टन पहुंच गया।एक साल पहले की समान अवधि में देशभर में 1.3 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हुआथा। बायो-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) ने मंगलवार को बताया, इस साल 15 जनवरी तक लगभग 518 चीनी मिलें चालू थीं, जबकि एक साल पहले यह संख्या 500 थी। देश में चीनी का सत्र अक्तूबर से सितंबर तक चलता है। सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन सालाना आधार पर 42.7 लाख टन से 51 फीसदी बढ़कर 64.5 लाख टन पहुंच गया।उत्तर प्रदेश में उत्पादन 42.8 लाख टन से बढ़कर 46 लाख टन के स्तर पर पहुंच गया।कर्नाटक का उत्पादन सालाना आधार पर बढ़कर 31 लाख टन पहुंच गया। जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 27.5 लाख टन रहा था।

27 जनवरी को होगा सबसे बड़ा सौदा, 200000000के लिए बनेगा बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच होने वाली ट्रेड डील पर दुनियाभर की नजरें टिकी हैं। दोनों देश इस ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं। इस समझौते की औपचारिक घोषणा 27 जनवरी को होने की उम्मीद है। यह घोषणा गणतंत्र दिवस समारोह के ठीक एक दिन बाद होगी, जिसमें ईयू के शीर्ष नेता मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने कहा है कि ईयू भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इसे सभी सौदों का बाप यानी मदर ऑफ ऑल डील्स कह रहे हैं। यह बात उन्होंने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूरोप दुनिया के साथ व्यापार और सहयोग बढ़ाना चाहता है।

समझौता बनाएगा बड़ा बाजार

वॉन डेर लेयन ने भारत के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के बड़े पैमाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा समझौता होगा जो 2 अरब लोगों के लिए एक बाजार बनाएगा, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक चौथाई हिस्सा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने यह भी बताया कि वह अगले वीकेंड भारत की यात्रा करेंगी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चल रहे काम को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि यूरोप और भारत के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और सहयोग को गहरा करने के लिए महत्वपूर्ण काम किया जाना है। निर्यातकों के संगठन एफआईइओ के महानिदेशक डॉ. अजय सहाय ने कहा, इस एफटीए से हमारे सबसे बड़े ट्रेड पार्टनर से व्यापार बढ़ेगा। इससे टैरिफ के मौजूदा माहौल से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में बहुत मदद मिलेगी। गारमेंट और टेक्सटाइल्स सेक्टर के लिए एफटीए को ऐतिहासिक अवसर बताते हुए सीटीए अपैरल्स के चेयरमैन डॉ. मुकेश कसल ने कहा, कम ड्यूटी पर या ड्यूटी फ्री एक्सपोर्ट की सुविधा मिलने से भारतीय निर्यातकों को मदद मिलेगी, खासतौर से उन देशों के मुकाबले, जिन्हें अभी रियायत मिली हुई है। यह यात्रा भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंधों को और मजबूत करने का एक बड़ा अवसर है।

दावाः 90 फीसदी कर्मियों को मिल रहे तरक्की के भरपूर अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में 95 फीसदी कर्मचारी अपनी काम करने की क्षमता पर भरोसा करते हैं। लेकिन केवल 64 फीसदी ही नौकरी से संतुष्ट हैं। मैनपावरग्रुप इंडिया ने देश के 1,000 से ज्यादा कर्मचारियों से बातचीत पर आधारित रिपोर्ट में कहा, काम की दुनिया तेजी से बदल रही है। इस बदलाव के बीच कर्मचारियों का आत्मविश्वास, संतुष्टि और मानसिक स्थिति अलग-अलग स्तर पर नजर आ रही है। भारतीय कर्मचारी अपनी क्षमता को लेकर सबसे ज्यादा आत्मविश्वास दिखाते हैं। 90 फीसदी कर्मचारियों को करियर में आगे बढ़ने के मौके मिल रहे हैं। 84 फीसदी को प्रमोशन की संभावना है। 90 फीसदी एआई के इस्तेमाल को लेकर भी आत्मविश्वास महसूस करते हैं। हालांकि, आज के काम में लोग जितना आत्मविश्वास महसूस कर रहे हैं, उतना ही भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। आगे चलकर उनकी भूमिका क्या होगी, इसे लेकर चिंता है। आत्मविश्वास का असर नौकरी से संतुष्टि और कंपनी के प्रति वफादारी पर नहीं दिख रहा है। इसी वजह से सिर्फ 64 फीसदी ही नौकरी से खुश हैं। 53 फीसदी कर्मचारी रोजाना मध्यम से ज्यादा तनाव महसूस करते हैं। जब नौकरी से संतुष्टि 64 फीसदी को है, तब आधे से ज्यादा कर्मचारी रोज तनाव में रहते हैं। 75 फीसदी में काम का ज्यादा बोझ व लंबे काम के घंटे तनाव की वजह बन रहे हैं। कई कर्मचारी नौकरी छोड़ना नहीं चाहते, लेकिन साथ ही नए मौके भी तलाश रहे हैं। ब्लू-कॉलर कर्मचारियों में सबसे कम मानसिक और शारीरिक संतुलन देखा गया, जो 68 फीसदी रहा। जेन-जी महिलाओं में ज्यादा तनाव की स्थिति यानी 64 फीसदी पाई गई। मिडिल मैनेजर्स (95 फीसदी) और व्हाइट-कॉलर व सीनियर मैनेजर्स (94 फीसदी) सबसे ज्यादा तनाव में रहता है।

टाटा स्टील को त्रिवेणी पैलेट्स से जुड़े सौदे के लिए हरी झंडी

रिकॉर्ड 44.89 लाख यात्री वाहन बिके, 2025 में ऐसे बढ़ी पांच फीसदी बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू स्टील सेक्टर में एकीकरण प्रक्रिया को मंगलवार को उस समय बड़ी गति मिली जब भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने दो महत्वपूर्ण सौदों को मंजूरी दे दी। फेयर ट्रेड रेगुलेटर ने टाटा स्टील की ओर से ओडिशा स्थित त्रिवेणी पेलेट्स में बहुमत हिस्सेदारी के अधिग्रहण को हरी झंडी दिखा दी है। इसके साथ ही, आयोग ने जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनियों और जापान की जेएफई स्टील कॉरपोरेशन से जुड़े एक अन्य बड़े प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

636 करोड़ का सौदा

सीसीआई ने टाटा स्टील के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत कंपनी त्रिवेणी पेलेट्स प्राइवेट लिमिटेड में 50.01 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। टाटा स्टील ने पिछले साल दिसंबर में घोषणा की

थी कि उसने 636 करोड़ रुपये में त्रिवेणी पेलेट्स में बहुमत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए त्रिवेणी अर्थमूवर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। टाटा स्टील एकीकृत स्टील विनिर्माण में शामिल है, जो माइनिंग से लेकर स्टील मेकिंग और आगे की प्रोसेसिंग तक फैला हुआ है। कंपनी पहले से ही लौह अयस्क की माइनिंग और पेलेट्स के उत्पादन में सक्रिय है।

त्रिवेणी पेलेट्स देश में लौह अयस्क पेलेट्स की बिक्री करती है। इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, ब्रह्मिणी रिवर पेलेट्स लिमिटेड भी भारत में पेलेट्स के उत्पादन और बिक्री में लगी हुई है। इस अधिग्रहण से टाटा स्टील की बैकवर्ड इंटीग्रेशन क्षमताओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है। सीसीआई ने भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल), जेएसडब्ल्यू संबलपुर स्टील लिमिटेड, जापान की जेएफई स्टील कॉरपोरेशन और जेएसडब्ल्यू कलिंगा स्टील लिमिटेड के बीच प्रस्तावित कॉम्बिनेशन को भी मंजूरी दी है। आइए इस बारे में जानें- बीपीएसएल, जो फिनिश्ड स्टील प्रोडक्ट्स की प्रोसेसिंग और एकीकृत विनिर्माण में शामिल है, वर्तमान में जेएसडब्ल्यू स्टील की अप्रत्यक्ष सहायक कंपनी है।

जापानी भागीदारीः इस सौदे में

शामिल जेएफई स्टील कॉरपोरेशन, सौदे के तहत, जेएसडब्ल्यू कलिंगा की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू संबलपुर प्रस्तावित लेनदेन के पूरा होने के बाद टारगेट बिजनेस का स्वामित्व हासिल करेगी। गौरतलब है कि जेएसडब्ल्यू कलिंगा और जेएसडब्ल्यू संबलपुर ने अभी तक अपना वाणिज्यिक परिचालन शुरू नहीं किया है।

रमेश दामानी ने विम प्लास्ट के खरीदे 120297 शेयर

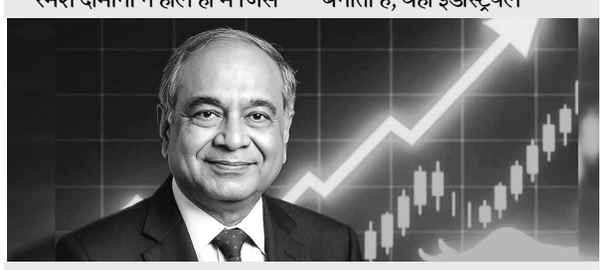

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक रमेश दामानी ने हाल ही में जिस

स्टॉक में निवेश किया है, वह निवेशकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। वॉरिन बफेट की निवेश शैली से प्रेरित माने जाने वाले रमेश दामानी लंबे समय से ऐसे बिजनेस में पैसा लगाते हैं, जिनका मैनेजमेंट मजबूत हो और फाइनेंशियल परफॉर्मेंस लगातार बेहतर हो रही हो। मेंबर जैसे चर्चित शो के होस्ट रह चुके दामानी की हर खरीद पर बाजार की नजर रहती है। इसी कड़ी में दिसंबर 2025 की शेयरहोल्डिंग पैटर्न के मुताबिक उन्होंने विम प्लास्ट में करीब 1 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह 120297 शेयरों के बराबर है। इससे पहले उनके पोर्टफोलियो में शामिल नहीं थी। विम प्लास्ट के शेयर 2 पर्सेंट तक चढ़कर 427.40 रुपये पर पहुंच गए। सेलो वर्ल्ड की सब्सिडियरी कंपनी है और इसका प्रमोटर बैकग्राउंड काफी मजबूत माना जाता है। कंपनी में करीब 56 प्रतिशत हिस्सेदारी सेलो वर्ल्ड लिमिटेड के पास है, जिसके पीछे राठौड़ परिवार का दशकों पुराना अनुभव और भरोसेमंद ब्रांड खड़ा है। यही वजह है कि निवेशक इसे एक स्थिर और लॉन्ग टर्म संभावनाओं वाली कंपनी मानते हैं। मुख्य रूप से प्लास्टिक फर्नीचर, जैसे कुर्सियां, टेबल, स्टूल और स्टोरेज प्रोडक्ट्स बनाती है, वहीं इंडस्ट्रियल सेगमेंट में क्रेट्स, पैलेट्स और मटीरियल हैंडलिंग सॉल्यूशंस भी देती है। कंपनी के हालिया फाइनेंशियल नतीजे भी निवेश के पक्ष में कहानी कहते हैं। क्यू2 एफवाय26 में विम प्लास्ट की कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 78.2 करोड़ से बढ़कर 84.3 करोड़ हो गई, जबकि ग्रॉस प्रॉफिट मार्जिन 15.4 प्रतिशत से बढ़कर 16.2 प्रतिशत पहुंच गया। यही सुधार संभवतः रमेश दामानी को आकर्षित करने वाला फैक्टर रहा। इसके अलावा कंपनी ने ॥ह्रऋष्ठ सेगमेंट यानी होटल, रेस्टोरेंट, कैफे और बड़े इवेंट्स के लिए खास तौर पर डिजाइन किए गए प्रीमियम और टिकाऊ प्लास्टिक फर्नीचर लॉन्च किए हैं, जिनकी डिमांड आने वाले समय में बढ़ सकती है। शेयर के प्रदर्शन की बात करें तो हाल के दिनों में इसमें हलचल देखने को मिली है। पिछले 5 दिनों में स्टॉक 402 से बढ़कर 424 तक पहुंचा, हालांकि एक महीने में करीब 5 प्रतिशत और एक साल में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट भी दर्ज की गई है। इसका 52-वीक हाई 579.8 और लो 394.4 रहा है।

नौकरी छोड़ दादी के वार्डरोब से मिला आइडिया

3 लाख से कपल ने शुरू किया ये काम, अब महीने 1 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। आज के आधुनिक दौर में हर ब्रांड फैशन को अपडेट और मॉडर्न बनाने की होड़ में लगा है। वहीं, बेंगलुरु के एक कपल ने इसके ठीक उलट रास्ता चुना। पूजा नादिग और शशांक शिवपुरपु ने महसूस किया कि समकालीन डिजाइनों के बीच साड़ियों से जुड़ी वे पुरानी यादें और भावनाएं कहीं खोती जा रही हैं, जो कभी दादी-नानी के वार्डरोब का हिस्सा हुआ करती थीं। इसी सोच के साथ 2021 में नेरिगे स्टोरी (की शुरुआत हुई। नेरिगे का कन्नड़ में मतलब होता है साड़ी की प्लेट्स। यह कहानी सिर्फ एक व्यवसाय की नहीं है। अलबत्ता, कॉर्पोरेट जगत की चमक-धमक छोड़कर अपनी जड़ों की ओर लौटने के साहस की है। टीसीएस में सॉफ्टवेयर टेस्टर रहीं पूजा और एमबीए ग्रेजुएट शशांक ने अपनी जमा-पूंजी के 3 लाख रुपये लगाकर इस सफर को शुरू किया। आज यह ब्रांड न केवल भारत में बल्कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जैसे देशों में भी अपनी पहचान बना चुका है। परंपरा और आधुनिकता का यह अनूठा संगम अब 1 करोड़ रुपये महीने के रेवेन्यू तक पहुंच गया है। यह साबित करता है कि अगर उत्पाद में इमोशन हो तो वह बाजार में अपनी जगह खुद बना लेता है। आइए, यहां पूजा नादिग और शशांक शिवपुरपु की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। नेरिगे स्टोरी की नींव पूजा नादिग और शशांक शिवपुरपु की साझा हिम्मत पर टिकी है। पूजा बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से ग्रेजुएट हैं। टीसीएस में पांच साल

तक वह सॉफ्टवेयर टेस्टिंग की नौकरी कर रही थीं। वहीं, शशांक ने फिलीपींस से एमबीए करने के बाद सेल्स और स्टार्टअप्स में हाथ आजमाया था। क्रिएटिविटी को उड़ान देने के लिए साड़ी व्यवसाय शुरू करने का आइडिया साझा किया। 2020 में लॉकडाउन ने पति-पत्नी को आत्म-चिंतन का समय दिया। उन्होंने अपनी जमी-जमाई नौकरियां छोड़कर उद्यमिता की अनिश्चित राह पर चलने का फैसला किया।

3 लाख की सेविंग से शुरू किया काम

इस कपल के परिवार में बिजनेस का कोई अनुभव नहीं था। पूजा और शशांक ने अपनी 3 लाख रुपये की सेविंग के साथ शुरुआत की। संसाधनों की कमी के कारण वे खुद ही हर काम करते थे। पूजा साड़ियों के लिए मॉडल बनती थीं और शशांक फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर। अतिरिक्त पैसे कमाने के लिए पूजा ने जुंबा इंस्ट्रक्टर के रूप में काम किया, जबकि शशांक ने फिटनेस ट्रेनिंग दी। टेक्सटाइल इंडस्ट्री का अनुभव न होने के कारण उन्होंने महीनों बुनकरों और कारीगरों से बात करने और डी2सी ऑपरेशंस को समझने में बिताए। उनकी यही हाइपर-इंडिपेंडेंस उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। ब्रांड की सफलता का राज उसका विंटेज कलेक्शन रहा। पूजा ने बाजार में एक खालीपन देखा था। साड़ियां आधुनिक तो हो रही थीं। लेकिन, उनमें भावनात्मक जुड़ाव कम था। उन्होंने 1950 के दशक की सादगी वाले कॉटन डिजाइनों को दोबारा जिंदा किया। वाराणसी, मदुरै और जयपुर जैसे पारंपरिक केंद्रों के बुनकरों के साथ मिलकर उन्होंने ऐसे उत्पाद तैयार किए जो ग्राहकों को उनकी दादी की याद दिलाते हैं।

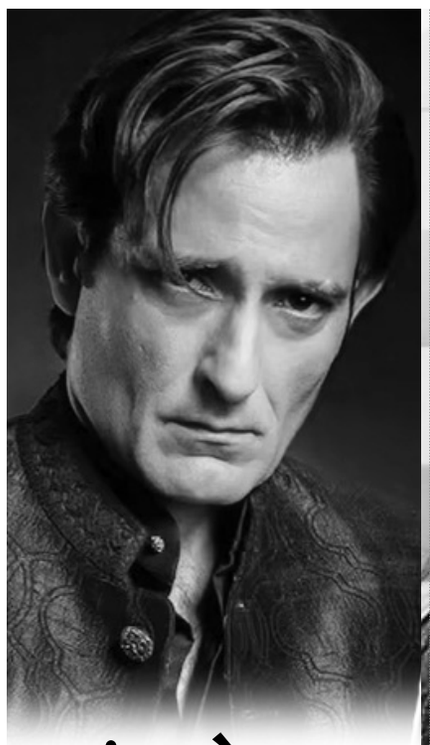

धुरंधर के बाद अक्षय खन्ना करेंगे टॉलीवुड डेब्यू

अक्षय खन्ना की धुरंधर फिल्म में रहमान डकैत का किरदार बहुत शानदार रहा। इस रोल के बाद वह फिर से चर्चा में आ गए हैं। फिल्म के गाने स्न9रूमें अक्षय की दमदार एंट्री और डांस ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी। अब फैंस धुरंधर पार्ट 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें अक्षय फ्लैशबैक में नजर आ सकते हैं।

महाकाली के बारे में

धुरंधर की सफलता के बाद कई फिल्ममेकर उन्हें अपनी फिल्मों में अक्षय को लेना चाहते हैं। लेकिन अक्षय ने अभी अपनी अगली हिंदी फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। फिलहाल, वह अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस पौराणिक फिल्म में अक्षय असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं और यह प्रशांत वर्मा के सिनेमाई ब्रह्मांड का हिस्सा है। फिल्म में मुख्य भूमिका भूमि शेट्टी निभा रही हैं। अक्षय का शुक्राचार्य वाला पहला लुक पहले ही जारी हो चुका है, जिसमें वे लंबी सफेद दाढ़ी और प्रभावशाली लुक में दिख रहे हैं। यह लुक देखकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। कथित तौर पर महाकाली 2026 में रिलीज हो सकती है।

अक्षय की फिल्में

धुरंधर की आपार सफलता के बाद अक्षय को कई बड़े ऑफर मिल रहे हैं। उन्होंने दृश्यम 3 को छोड़ दिया है, जिसमें वे पहले जांच अधिकारी का रोल निभा चुके हैं। 2025 में अक्षय ने छावा में औरंगजेब का किरदार और धुरंधर में रहमान डकैत के किरदार में खूब वाहवाही बटोरी। फैंस अब अक्षय को बड़े पर्दे पर दोबारा देखने के लिए उत्सुक हैं!

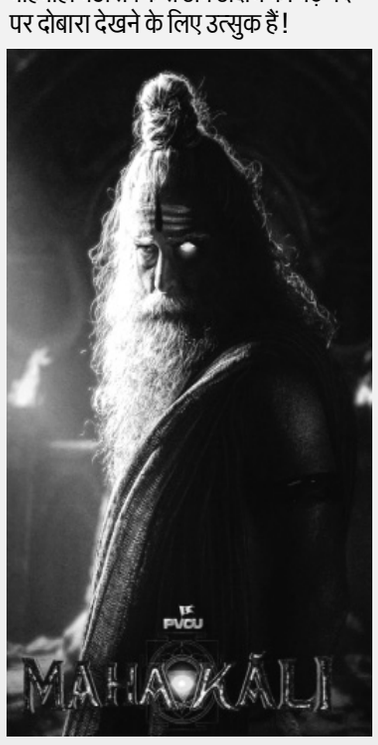

गांधी टॉक्स में काम करना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपनी अपकमिंग साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि फिल्म में काम करने का अनुभव चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों रहा। उन्होंने फिल्म में विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को शानदार बताया। किशोर पांडुरंग बेलेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अदिति ने कहा कि यह उनके लिए पहली बार विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला। हालांकि पहले भी कई प्रोजेक्ट्स में दोनों साथ आने वाले थे, लेकिन किसी न किसी कारण से वे पूरे नहीं हो पाए। अदिति ने बताया, हम कुछ फिल्मों में लगभग साथ काम करने वाले थे, लेकिन हर बार कुछ न कुछ हो गया और बात आगे नहीं बढ़ पाई। यह जिंक्स टूटना ही था। मुझे खुशी है कि ये एक बहुत अलग और खास फिल्म 'गांधी टॉक्स' के साथ पूरा हुआ।

उन्होंने इस फिल्म को अपनी जिंदगी के सबसे अनोखे प्रोजेक्ट में से एक करार दिया। फिल्म पूरी तरह साइलेंट है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं हैं। अदिति ने कहा, इस फिल्म में आप बस शांत रहते हैं, देखते हैं और महसूस करते हैं। बिना डायलॉग के भी भावनाएं जाहिर करनी होती हैं, यही इसकी खूबसूरती है। यह मेरे लिए जितना चुनौतीपूर्ण था, उतनी ही रोमांचक भी। अदिति हमेशा गहरे, सच्चे और अर्थपूर्ण किरदारों वाली कहानियां चुनती हैं। उन्होंने कहा कि मेरे अंदर का पांच साल का बच्चा आज भी जिंदा है, जो सपने देखता है, उन पर भरोसा करता है और उन्हें पूरा करने की कोशिश करता है। यही सकारात्मक सोच उन्हें सही स्क्रिप्ट्स और निर्देशकों का इंतजार करने की ताकत देती है।

उन्होंने कहा, मुझे अच्छी स्क्रिप्ट्स अक्सर नहीं मिलतीं, लेकिन मैं उनका इंतजार करती हूं और उन निर्देशकों का भी, जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं शिकायत नहीं करती, क्योंकि वो मौके आखिरकार आते ही हैं। फिल्म में अदिति राव हैदरी के साथ विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि फिल्म के संगीत को एआर रहमान ने तैयार किया है। फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी। 'गांधी टॉक्स' के अलावा अदिति की एक और रोमांचक प्रोजेक्ट इम्तियाज अली की 'ओ साथी रे' है, जो एक रोमांटिक ड्रामा सीरीज है। इसमें उनके साथ अर्जुन रामपाल और अविनाश तिवारी नजर आएंगे। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर आने वाली है और समकालीन समय में पुरानी भावनाओं वाले प्यार की कहानी कहती है।

'धुरंधर' के बाद खुद पर और जिम्मेदारी महसूस करती हैं सारा अर्जुन

सारा अर्जुन को रणवीर सिंह के साथ फिल्म 'धुरंधर' से बॉलीवुड में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू करने के बाद काफी लोकप्रियता मिली है। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी आगामी तेलुगु फिल्म यूफोरिया के प्रचार में व्यस्त हैं। इस दौरान हैदराबाद में हुए एक इवेंट में सारा ने 'धुरंधर' से मिली सफलता पर बात की। साथ ही उन्होंने अपने पसंदीदा टॉलीवुड स्टार का नाम भी बताया। हैरानी की बात ये है कि ये नाम महेश बाबू या अल्लू अर्जुन नहीं है।

एक्ट्रेस ने कहा कि लंबे समय बाद अपने तेलुगु दर्शकों के सामने खड़े होना खास लग रहा है। यहां जिस तरह से गर्मजोशी से संस्कृति और कहानियों का जश्न मनाया जाता है, मैं उसकी प्रशंसा करती हूं। मुझे उम्मीद है कि 'यूफोरिया' भी दर्शकों से जुड़ेगी। यह एक बहुत महत्वपूर्ण कहानी है। इस दौरान जब सारा से पूछा गया कि उनका पसंदीदा तेलुगु स्टार कौन है? तो अभिनेत्री ने कुछ देर सोचने के बाद कहा कि बहुत सारे हैं। मैं चुन नहीं सकती। लेकिन अभी मुझे विजय देवरकोंडा बहुत पसंद हैं।

सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहती हैं सारा

'धुरंधर' के बाद मिली लोकप्रियता के क्या अपने किरदार को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर सारा ने कहा कि मैं हर प्रोजेक्ट में बदलाव नहीं देखती। मैं हर दिन बदलाव की तलाश करती हूं। मुझे एहसास है कि इसे अपने काम के रूप में अपनाना एक बड़ा सौभाग्य है। मुझे बेहतर प्रदर्शन करने की अधिक जिम्मेदारी महसूस होती है, बस इतना ही। मैं खुद पर ज्यादा दबाव डालना पसंद नहीं करती। बेहतर करने की जिम्मेदारी हमेशा मेरे कंधों पर रहेगी। मैं अभी करियर के शुरुआती दौर में हूं और मैं बस सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहती हूं। ताकि मैं लगातार काम करती रहूं।

6 फरवरी को रिलीज होगी 'यूरोफिया'

'धुरंधर' के बाद अब सारा अर्जुन अपनी आगामी तेलुगु फिल्म 'यूरोफिया' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। गुणेशेखर द्वारा निर्देशित यह फिल्म ड्रग्स जैसे मुद्दे पर आधारित है। फिल्म में सारा अर्जुन के अलावा भूमिका चावला और गौतम मेनन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

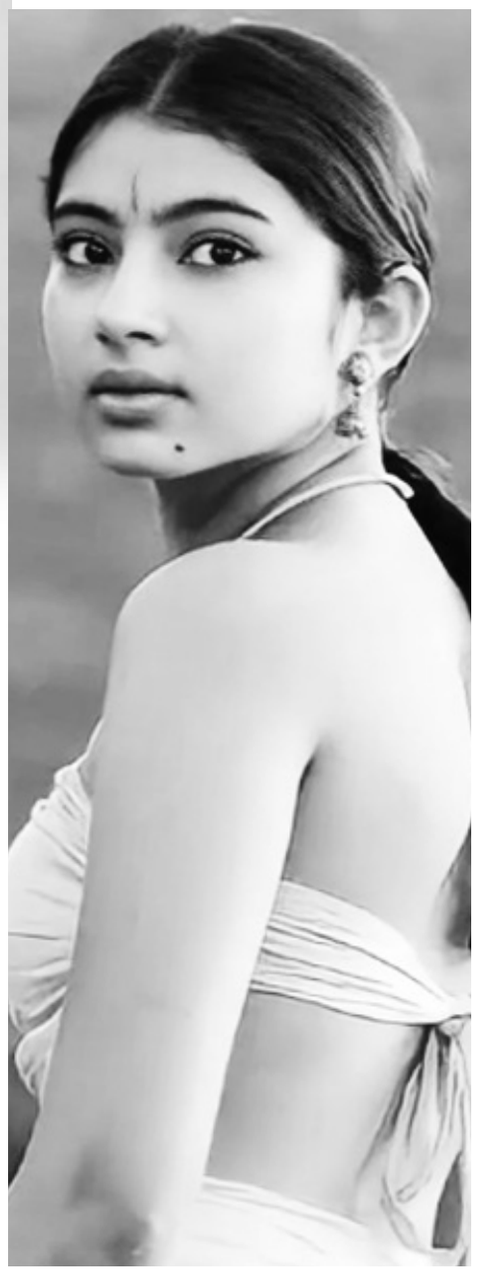

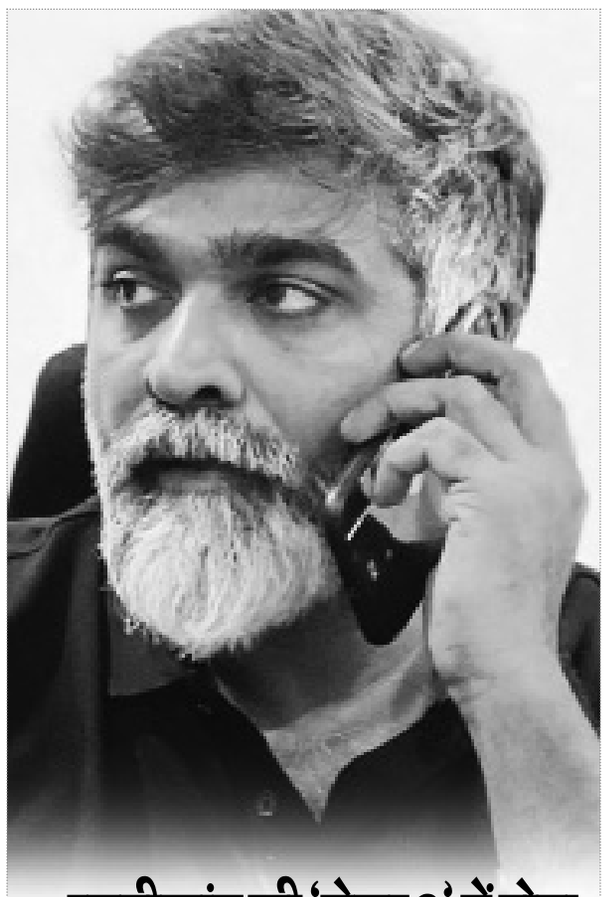

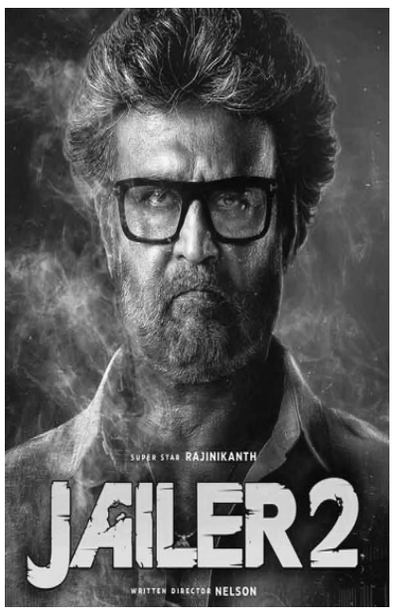

रजनीकांत की 'जेलर 2' में होगा विजय सेतुपति का कैमियो? अभिनेता ने खुद दी प्रतिक्रिया

अभिनेता विजय सेतुपति की गिनती उन दिग्गज कलाकारों में होती है, जिनकी फिल्मों का प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। विजय सेतुपति को एक्टिंग का लीजेंड माना जाता है। पिछले कई दिनों से ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि विजय 'थलाइवा' रजनीकांत की आगामी फिल्म 'जेलर 2' में भी नजर आएंगे। अब विजय सेतुपति ने खुद इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है। बातचीत के दौरान विजय सेतुपति ने 'जेलर 2' में अपने कैमियो की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए ये कंफर्म किया कि वो फिल्म में नजर आएंगे। अभिनेता ने कहा कि मैंने जेलर 2 में कैमियो इसलिए किया है, क्योंकि मैं रजनीकांत सर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन जैसे सुपरस्टार ने इस इंडस्ट्री में इतने दशकों तक अपनी जगह बनाई है। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

कई कलाकार आएंगे नजर

नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित 'जेलर 2' 2023 में आई उनकी सुपरहिट फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है। फिल्म में रजनीकांत के अलावा विद्या बालन, मिथुन चक्रवर्ती, एस. जे. सूर्या, राम्या कृष्णन और योगी बाबू सहित कई कलाकार अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म में मोहनलाल, शिव राजकुमार और विनायकान जैसे कलाकारों के कैमियो भी देखने को मिलेंगे। जेलर 2 फिलहाल 12 जून 2026 रिलीज होनी है। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं।

अब अलग तरह के किरदार करेंगे विजय

अपने करियर के विकल्पों पर विचार करते हुए सेतुपति ने कहा कि अब मैं सिर्फ स्क्रिप्ट के लिए खलनायक की भूमिका निभा रहा हूं, जो मुझे उत्साहित करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे खलनायक की भूमिका तभी स्वीकार करेंगे जब स्क्रिप्ट में कुछ अलग और दिलचस्प हो। एक्टर ने कहा कि अभी तक मुझे मिलने वाले अधिकाश विलेन के रोल हीरो को महिमामंडित करने के लिए बनाए गए सामान्य विलेन के जैसे होते हैं। ये मुझे बिल्कुल भी पसंद नहीं है। इसीलिए अब मैंने इस तरह के विलेन के रोल करने से साफ इनकार कर दिया है।

इमरान हाशमी ने बॉलीवुड को लेकर किया खुलासा

इमरान हाशमी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज तस्करी- द स्मगलर्स वेब' में नजर आए हैं। इसी बीच उन्होंने खास बातचीत में फिल्म इंडस्ट्री के तौर तरीकों पर बात की। इमरान ने 'तस्करी' वेब सीरीज से जुड़े अनुभव साझा किए। इसके अलावा उन्होंने फिल्मों की बदलती कहानियों और सोशल मीडिया की तीखी प्रतिक्रियों पर भी अपनी राय रखी।

सीरीज 'तस्करी' आपके लिए क्या नया लेकर आई?

मुझे अंदाजा ही नहीं था कि यह दुनिया इतनी रॉ और रियल होगी। एयरपोर्ट और कस्टम में चीजें किस तरह होती हैं यह आम नागरिकों को कभी पता नहीं चलता। स्मगलिंग का सामान देश में किस तरह अंदर आता है, यह भी हमें सिर्फ खबरों में पढ़ने को मिलता है। लेकिन इस वेब सीरीज के लिए टीम ने जिस स्तर पर रिसर्च की वह बहुत चौंकाने वाला था। कस्टम अफसर कैसे काम करते हैं और पूरी प्रोसेस कैसे चलती है...यह सब जानना मेरे लिए नया और अलग अनुभव था।

आज इंडस्ट्री को पहले से कितना बदला हुआ पाते हैं?

परिभाषा बहुत बदल गई है। मैंने जब शुरुआत की थी तब लीड हीरो की एक तय इमेज होती थी। हीरो आता था, हालात पलट देता था और कहानी पूरी हो जाती थी लेकिन आज का समय इससे बहुत अलग है। ओटीटी ने ऑडियंस का टेस्ट बदल दिया है। कोविड के बाद ऑडियंस ने दुनिया भर का कंटेंट देखा है। अब लीडिंग मैन सिर्फ हीरो नहीं होता, बल्कि उसका किरदार स्पष्ट और गहराई वाला लिखना पड़ता है। कई किरदारों वाली फिल्में बन रही हैं और एक ही जॉनर में कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। यह बदलाव इंडस्ट्री के लिए अच्छा है।

सोशल मीडिया की नकारात्मकता और ट्रोलिंग का कितना असर पड़ता है?

बहुत ज्यादा असर पड़ता है। सोशल मीडिया आज सबसे ज्यादा शोरगुल से भरा मंच बन चुका है। यहां ट्रोलिंग होती है, नकारात्मक जानकारी और गलत बातें भी तेजी से फैल जाती हैं। फैन आपस में भिड़ भी जाते हैं। पहले ऐसा माहौल नहीं था। मैं एक साधारण माहौल से आता हूं, इसलिए यह लगातार बढ़ता डिजिटल शोर कई बार मानसिक रूप से थका देता है।

क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री सच में एकजुट नहीं है?

हां, ऐसा ही लगता है। फिल्म इंडस्ट्री एकजुट नहीं है। यहां लोग सामने कुछ नहीं कहते, लेकिन पीठ पीछे बहुत बातें होती हैं। इंडस्ट्री में खींचतान की मानसिकता बहुत आम है। अगर कोई अच्छा काम कर रहा हो तो कई लोग उसे नीचे लाने की कोशिश करते हैं। यह सोच कि अगर मेरे पास नहीं है तो दूसरे के पास क्यों हो, अभी भी यहां मौजूद है और यह अच्छी बात नहीं है।

बॉक्स ऑफिस नंबर और ओटीटी व्यूअरशिप का प्रेशर आप कैसे संभालते हैं?

देखिए, दबाव हमेशा रहता है लेकिन वैसा नहीं जैसा लोग बाहर से समझते हैं। जब आप कोई फिल्म करते हैं, तो बस यही उम्मीद होती है कि ऑडियंस उसे स्वीकार करे। सच यह है कि कोई नहीं जानता कि फिल्म थिएटर में चली या ओटीटी पर पसंद की जाएगी। अगर आप हर समय इसके बारे में सोचते रहेंगे, तो आपका ध्यान काम से हट जाएगा। यह सब आपके कंट्रोल में नहीं होता। आपकी जिम्मेदारी बस ईमानदारी से अपना काम करना है। फिर आज यह समझना और भी मुश्किल हो गया है कि क्या चलेगा और क्या नहीं। बॉक्स ऑफिस पर शुक्रवार को आंकड़े आते ही सभी चिंतित हो जाते हैं। प्रोड्यूसर को भी इसी बात की चिंता रहती है कि अगर फिल्म अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई तो आगे क्या होगा? ओटीटी पर भी यही दबाव होता है। अगर पहले वीकएंड में व्यूअरशिप कम रहती है, तो शो या फिल्म की सक्सेस धीमी हो जाती है। इंडस्ट्री में अब सब कुछ आंकड़ों पर बेस्ड है।

क्या सोशल मीडिया फिल्म की किस्मत भी बदल देता है?

हां, बिल्कुल। आजकल कई फिल्में कंटेंट की वजह से नहीं बल्कि सोशल मीडिया की वजह से पहले तीन दिनों में ही नुकसान झेलती हैं। लोग फिल्म देखे बिना ही फैसला सुना देते हैं। कई बार समझ ही नहीं आता कि इतनी नेगेटिविटी क्यों और कहां से आती है। क्या दुनिया हमेशा ऐसी थी या अब नेगेटिव होना एक आदत बन गया है, इसका जवाब मेरे पास नहीं है। लेकिन इतना जरूर समझ में आता है कि अगर आप इसमें बहुत अधिक ध्यान देंगे तो यह आपको मानसिक तौर पर परेशान कर देगा।

यूरोप में शुरू हो रही नई टी-20 लीग

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोप में क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) का ऐलान किया गया है। 6 टीमों के बीच खेली जाने वाली इस लीग में ऑनर के तौर पर क्रिकेट और मनोरंजन जगत की हस्तियां जुड़ी हुई हैं। प्रमुख नामों में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ और बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी काइल मिल्स और नाथन मैकुलम भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं, और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं। स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ी लीग में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि की गई कि स्टीव वॉ और ग्लेन मैक्सवेल ईटीपीएल की फ्रेंचाइजी ओनरशिप का हिस्सा होंगे। यह लीग आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स में खेली जाएगी। इसका उद्देश्य यूरोप में

ईटीपीएलः अभिषेक बच्चन और स्टीव वॉ जैसे बड़े नाम जुड़े

क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाना है। लीग पिछली गर्मियों में लॉन्च होनी थी, लेकिन अब इसे 2026 में शुरू करने की तैयारी है। लीग की तीन फ्रेंचाइजियों में एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग हैं। अन्य तीन टीमें अभी बिकनी बाकी हैं। भविष्य में बिकने वाली टीमों के बेस डबलिन, रॉटरडैम और ग्लासगो में होंगे। लीग का पहला सीजन 26 अगस्त से 20 सितंबर के बीच खेला जाना है। यह आईसीसी से मान्यता प्राप्त पहली ऐसी टी20 लीग होगी, जो एक से ज्यादा देशों में आयोजित की जाएगी। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, यह इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग के फाइनल के करीब 10 दिन बाद शुरू होगी, हालांकि इसके कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से टकराने की संभावना बनी हुई है। स्टीव वॉ एम्स्टर्डम फ्लेम्स फ्रेंचाइजी के मालिक निवेशक समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व फील्ड

हॉकी महान खिलाड़ी जेमी ड्वायर भी शामिल हैं। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल आयरिश वुल्व्स फ्रेंचाइजी के को-ओनर हैं और उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की इंश्योरेंस कंपनी एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड जुड़े हुए हैं। नाथन मैकुलम और काइल मिल्स ने एडिनबर्ग फ्रेंचाइजी खरीदी है। ईटीपीएल, क्रिकेट आयरलैंड और भारत की रूल्स ग्लोबल का एक संयुक्त उद्यम है, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड और नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड इसके रणनीतिक साझेदार हैं। अभिषेक बच्चन इस लीग के को-फाउंडर हैं, और उनके साथ तीन अन्य भारतीय निवेशक भी जुड़े हैं, जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व सीईओ धीरज मल्होत्रा का नाम भी शामिल है। स्टीव वॉ ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि स्टीवन स्मिथ और मिचेल मार्श ने एम्स्टर्डम फ्लेम्स के साथ करार किया है। नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा होंगे। टिम डेविड के साथ भी बातचीत चल रही है। वॉ का मानना है कि यह लीग यूरोपियन और कॉन्टिनेंटल खिलाड़ियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। दुनिया के बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ चार-पांच हफ्ते खेलने का मौका स्थानीय खिलाड़ियों की प्रगति को तेज करेगा। इंडियन सुपर लीग, प्रो कबड्डी लीग और इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के माध्यम से स्पोर्ट्स से लंबे समय से जुड़े अभिषेक बच्चन की विदेशी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में यह पहली बड़ी भागीदारी है। लीग के को-फाउंडर अभिषेक बच्चन ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि ईटीपीएल जल्द ही एक भारतीय ब्रॉडकास्टर के साथ करार करने वाली है। पहले सीजन के मुकाबले आयरलैंड और नीदरलैंड्स में खेले जाएंगे, जबकि फाइनल वेन्यू अभी तय किए जा रहे हैं। इस लीग का मकसद सिर्फ क्रिकेट कराना नहीं, बल्कि यूरोप में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और फैंस को एक यादगार टी20 अनुभव देना है।

अमेलिया वाल्वेर्डे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की मुख्य कोच बनीं

● एएफसी एशियाई कप से पहले हुई नियुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को इस साल एएफसी महिला एशियाई कप में हिस्सा लेना है। इससे पहले ही एआईएफएफ ने नए मुख्य कोच की घोषणा कर दी है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वेर्डे को भारतीय सीनियर महिला टीम की मुख्य कोच बनाया। 39 वर्ष की अमेलिया अंताल्या में भारतीय टीम के शिविर में पहुंच गई हैं। भारतीय टीम मार्च में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की तैयारी कर रही हैं। 15 बरस पहले कोचिंग करियर की शुरुआत करने वाली अमेलिया 2015 से 2023 तक कोस्टा रिका महिला टीम की कोच रहीं। उनके कार्यकाल में कोस्टा रिका ने 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में भाग लिया। वह 2015 विश्व कप में 28 वर्ष की थी और सबसे युवा मुख्य कोच रहीं। इससे पहले वह कोस्टा रिका सीनियर और अंडर 20 महिला टीमों की कोच रहीं। उनके साथ गोलकीपिंग कोच एली अविला और स्ट्रेंथ तथा कंडीशनिंग कोच जोस सांचेज भी टीम से जुड़ेंगे।

सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाली खिलाड़ी बनी दीया यादव

वैभव सूर्यवंशी जैसा बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूपीएल इंडियन प्रीमियर लीग में सिर्फ 14 साल की उम्र में डेब्यू करके वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रच दिया था. जिसके बाद, वैभव आईपीएल में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए थे. वैभव की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लगभग एक साल बाद, अब महिला प्रीमियर लीग) में भी सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाली खिलाड़ी का नया रिकॉर्ड बन गया है. मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मंगलवार यानी 20 जनवरी को वडोदरा में खेले गए मुकाबले में 16 साल की दीया यादव ने डेब्यू करते हुए ये कारनामा किया है. इसी के साथ, दिल्ली के लिए खेलते हुए इस युवा बल्लेबाज ने अपना नाम डब्ल्यूपीएल की रिकॉर्डबुक में दर्ज करवा लिया है.

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी को सम्मान नहीं जुर्माना

मेडल दिखाने के बाद भी खिलाड़ी और कोच को TTE ने ट्रेन से उतारा

नई दिल्ली, एजेंसी। पोल वॉल्ट में भारत के नेशनल रिकॉर्ड होल्डर देव कुमार मीणा और उनके कोच घनश्याम को पनवेल रेलवे स्टेशन पर शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा। उन्हें अपना खेल उपकरण ले जाने की इजाजत नहीं मिली और ट्रेन से उतार दिया गया। ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर ने उन्हें अपने उपकरण के बगैर यात्रा करने को कहा। फिर काफी मिन्नतें करने और जुर्माना भरने के बाद ही जाने दिया गया। 20 साल के देव कुमार मीणा ने जुलाई 2025 में जर्मनी में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में 5.40 मीटर की छलांग लगाकर तीसरी बार अपना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था। वह मीट रिकॉर्ड बानने वाले कुलदीप और अन्य साथी एथलीटों के साथ मंगलुरु में ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप से लौट रहे थे।

रियल मैड्रिड की बड़ी जीत

स्पोर्टिंग ने पीएसजी को चौंकाया

मैड्रिड, एजेंसी। काइलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग फेज मुकाबले में मोनाको को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ ही रियल मैड्रिड ने टॉप-आठ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को और मजबूत कर लिया है। अपने पुराने क्लब मोनाको के खिलाफ खेलते हुए एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एम्बाप्पे ने फेडे वाल्वरडे की थ्रू बॉल पर पांचवें मिनट में ही पहला गोल कर रियल को बढ़त दिलाई। इसके बाद 25वें मिनट के आसपास फार पोस्ट पर शानदार स्लाइड करते हुए उन्होंने दूसरा गोल दागा और हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड का दबदबा और बढ़ गया। 51वें मिनट में फ्रेंको मास्टैंटुओनो ने तीसरा गोल किया, जबकि थिलो केहरर से आत्मघाती गोल हो गया। विनीसियस जूनियर ने पांचवां और जूड बेलिंगहैम ने छठा गोल किया। मोनाको की ओर से एकमात्र गोल जॉर्डन टेजे ने किया। दूसरी ओर, पुर्तगाल में खेले गए मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब डी पुर्तगाल ने पेरिस सेंट जर्मेन को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। लुइस सुआरेज ने 74वें और 90वें मिनट में गोल कर स्पोर्टिंग को अहम जीत दिलाई, जिससे टीम स्टैंडिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई। पीएसजी का दबदबा पूरे मैच में रहा, लेकिन उसके दो गोल रद्द कर दिए गए। सब्स्टीट्यूट ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार कर्लिंग शॉट से बराबरी जरूर की, लेकिन आखिरी क्षणों में सुआरेज ने हेडर से निर्णायक गोल कर दिया। अन्य मुकाबलों में, एजेक्स ने आखिरी मिनट में ओलिवर एडवर्डसन के गोल की मदद से विलारियल को हराया। वहीं, ओलंपियाकोस ने पिरियस में बायर लेवरकुसेन को 2-0 से मात देकर जर्मन टीम के खिलाफ 14 मैचों में पहली जीत दर्ज की। कोस्टिन्हा और मेहदी तारेमी के तेज काउंटरअटैक ने ओलंपियाकोस की जीत की नींव रखी, जबकि गोलकीपर कोस्टास जोलाकिस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त बनाए रखी।

213 रन ठोकने वाली दिल्ली कैपिटल्स की तूफानी बल्लेबाज पर जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स की स्टार बल्लेबाज लिजेल ली पर जुर्माना लगाया गया है. इतना ही नहीं डब्ल्यूपीएल 2026 में अब तक 213 रन ठोक चुकी इस खिलाड़ी के खाते में जुर्माने के साथ एक डिमेरिट अंक भी जोड़े गए हैं. लेकिन, बड़ा सवाल ये है कि लिजेल ली से गलती क्या हुई? कब हुई? ये पूरा मामला डब्ल्यूपीएल 2026 में 20 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले मुकाबले से जुड़ा है.

लिजेल ली ने मानी गलती, 10% जुर्माने के साथ मिली ये सजा- लिजेल ली को जब आउट दिया गया वो डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने एक और अर्धशतक के करीब थीं. वो 28 गेंदों में 46 रन बनाकर पूरे विस्फोटक मिजाज में

खेल रही थीं. ऐसे में जब उन्हें थर्ड अंपायर ने आउट दिया तो उन्होंने उस फैसले पर थोड़ी नाराजगी जाहिर की, जिसके क्रिकेट की रूल बुक की आचार संहिता के तहत गलत पाया गया.

लाइव मैच में कब घटी घटना?

वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की इनिंग के 11वें ओवर में बल्लेबाजी कर रहीं लिजेल ली को आउट दे दिया गया. वो मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप हुई थीं. मामला थोड़ा नजदीकी था तो उन्हें आउट देने से पहले थर्ड अंपायर ने कैमरों के कई एंगल जांचे.

ऑस्ट्रेलियन ओपनः मेदवेदेव-अल्काराज तीसरे राउंड में पहुंचे

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियन ओपन में रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव और वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्काराज तीसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं विमेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका भी दूसरे राउंड में पहुंच गई हैं। जबकि दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर ने नया कीर्तिमान बनाया है। वह साल 2000 के बाद मेलबर्न में लगातार 15 मैच जीतने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। इस खास क्लब में उनसे पहले रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और आंद्रे आगासी शामिल हैं। मेदवेदेव ने सीधे सेटों में फ्रांस के क्वेंटिन हालिस को हराया दूसरे राउंड के मुकाबले में मेदवेदेव ने फ्रांस के क्वेंटिन हालिस को कड़े संघर्ष में सीधे सेटों में 7-6, 6-4, 7-5 से हराकर तीसरे दौर में जगह बना ली। अल्काराज पहला सेट टाईब्रेकर में जीते अल्काराज तीसरे राउंड में पहुंच गए हैं। बुधवार को खेले गए मैच में उन्होंने जर्मनी के यानिक हानफमान को सीधे सेटो में 7-6, 6-3,6-2 से हराया। अल्काराज को पहले सेट जीतने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ा। इस सेट को उन्होंने ट्राई ब्रेक में 7-6 से जीता। दूसरे सेट के बाद जर्मन खिलाड़ी ने मेडिकल टाइम आउट लिया दूसरे सेट के बाद यानिक हानफमान ने मेडिकल टाइम आउट लिया।

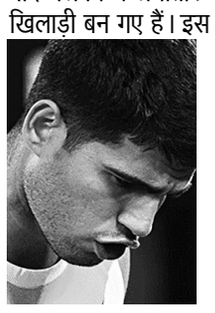

710 मैच में 2000 से ज्यादा विकेट लेने वाले क्रिकेटर की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की क्रिकेट टीम इस समय श्रीलंका के दौरे पर है. 22 जनवरी से इस दौरे की शुरुआत हो रही है, जिसके पहले मैच में अगर इंग्लैंड के खिलाड़ी काली पट्टी बांधे मैदान पर उतरें तो हैरानी नहीं होनी चाहिए. ऐसा वो नॉर्मन गिफर्ड के निधन पर शोक जताने के लिए कर सकते हैं. इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नॉर्मन गिफर्ड का निधन 85 साल की उम्र में हुआ. नॉर्मन गिफर्ड ने अपने जीवन के 28 साल क्रिकेट को दिए, इस दौरान उन्होंने 1107 मुकाबले खेले, जिसमें से 17 इंटरनेशनल मैच शामिल रहे.

1960 में शुरू हुआ क्रिकेट करियर- नॉर्मन गिफर्ड के क्रिकेट करियर की शुरुआत 1960 में हुई थी. वो 22 सालों तक वूर्सेस्टरशर के लिए क्रिकेट खेले. इसके अलावा काउंटी क्रिकेट में उन्होंने वार्विकशर का भी प्रतिनिधित्व किया. गिफर्ड का

इंटरनेशनल डेब्यू टेस्ट मैच से साल 1964 में हुआ था. उन्होंने अपना पहला टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला था. जबकि आखिरी टेस्ट 1973 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला.

नॉर्मन गिफर्ड का करियर- नॉर्मन गिफर्ड के करियर की बात करें तो फर्स्ट क्लास क्रिकेट में खेले 710 मैचों में उन्होंने 7048 रन बनाने के अलावा 2068 विकेट अपने नाम किए हैं. वहीं लिस्ट ए क्रिकेट में खेले 397 मैचों में 1478 रन बनाने के 443 विकेट लिए हैं. सिर्फ इंटरनेशनल करियर की बात करें तो इंग्लैंड के लिए खेले 17 मैचों में उन्होंने 179 रन बनाने के अलावा 37 विकेट लिए हैं.

सबसे ज्यादा उम्र में कप्तानी का बनाया रिकॉर्ड

नॉर्मन गिफर्ड के नाम वनडे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा उम्र में कप्तानी करने का रिकॉर्ड भी दर्ज है. जिस सीरीज में उनका ह्रष्ठह्ल डेब्यू हुआ, उसी सीरीज में उन्होंने कप्तानी भी की. वही उनके करियर की पहली और आखिरी सीरीज भी रही. नॉर्मन गिफर्ड ने 1985 में 44 साल और 359 दिन की उम्र में शारजाह में खेली 4 देशों की वनडे सीरीज में डेब्यू किया था. गिफर्ड को इस सीरीज में डेविड गावर की जगह मौका मिला था. वो सबसे ज्यादा उम्र में डेब्यू करने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं. नॉर्मन गिफर्ड ने जिस वनडे इंटरनेशनल में डेब्यू किया, उसी में उन्होंने कप्तानी भी की. 44 साल और 359 दिन की उम्र में ही वनडे इंटरनेशनल में कप्तानी करने वाले वो दुनिया के सबसे उम्रदराज कप्तान भी बने. ये रिकॉर्ड आज भी कायम है.

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 बांग्लादेश होगा आईसीसी टूर्नामेंट से बाहर?

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलने को लेकर बांग्लादेश की डेडलाइन अब खत्म होने वाली है. 17 जनवरी को ढाका में हुई मीटिंग में आईसीसी ने 21 जनवरी तक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को अपना फाइनल फैसला सुनाने को कहा था. डेडलाइन अब खत्म होने को है मगर अभी तक बांग्लादेश क्रिकेट की तरफ से कोई सुगबुगाहट नहीं है. वो अभी भी चुप्पी साधे हैं और अगर ये चुप्पी आगे भी कायम रही तो फिर बांग्लादेश का टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो सकती है.

बांग्लादेश का फाइनल फैसला क्या होगा?- आईसीसी के साथ जब पिछली बातचीत हुई थी तो बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड उसमें भी अपनी मांग पर अड़ा था. उसका कहना था कि वो टूर्नामेंट में खेलना चाहता है मगर इस शर्त पर कि उसके मुकाबले भारत से बाहर श्रीलंका में कराए जाएं, जो कि टूर्नामेंट का दूसरा होस्ट है. उस मीटिंग में बांग्लादेश में खिलाड़ियों की सुरक्षा को भारत में ना खेले की वजह बताया. इसके अलावा बांग्लादेश ने आईसीसी से अपने ग्रुप को बदलने की मांग भी की थी. उसका कहना था कि आयरलैंड के साथ उसके ग्रुप को बदल दिया जाए. बांग्लादेश ग्रुप सी में है जबकि आयरलैंड ग्रुप बी में, जिसे अपने सारे मैच श्रीलंका में खेलने हैं. यही वजह है कि बांग्लादेश ने ये मांग रखी थी.

आईसीसी की दी डेडलाइन अब खत्म होने को है- हालांकि, आईसीसी पर बांग्लादेश की मांगों का जरा भी असर नहीं हुआ था. उसने उसी वक्त उसे साफ कर दिया था कि ना तो शेड्यूल बदलेगा और ना ही ग्रुप. ऐसा कहते हुए ही आईसीसी की तरफ से ये अल्टीमेटम दिया गया कि वो 21 जनवरी तक किसी नतीजे पर पहुंचे.

ऐसा हुआ तो इस टीम की हो सकती है मौज

बांग्लादेश नहीं तो कौन?

अब सवाल है कि बांग्लादेश नहीं तो कौन? बांग्लादेश क्रिकेट टीम पर फैसले का दिन है और अगर वो उसके फेवर में नहीं हुआ तो फिर उस सूरत में स्कॉटलैंड को खेलने का मौका मिल सकता है. ऐसा माना जा रहा है कि स्कॉटलैंड को बेहतर रैंकिंग के आधार पर बांग्लादेश की जगह टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलने का मौका मिल सकता है. हालांकि, ऐसी रिपोर्ट है कि आईसीसी की ओर से अभी तक इसे लेकर स्कॉटलैंड क्रिकेट बोर्ड से संपर्क नहीं साधा गया है.

न्यूज डायरी

सड़क सुरक्षा माह-2026: पंचकूला के विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। परिवहन आयुक्त के निर्देशानुसार जनवरी, 2026 को सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए), पंचकूला द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-15 तथा सेंट सोल्जर स्कूल, सेक्टर-16 में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों जैसे ट्रैफिक नियमों का पालन, सड़क पार करने के सही तरीके, ट्रैफिक संकेतों की जानकारी, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का महत्व तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने के बारे में जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को स्वयं नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर आरटीए पंचकूला द्वारा दोनों विद्यालयों को सड़क सुरक्षा से संबंधित छोटे होर्डिंग्स भी प्रदान किए गए, जिन्हें विद्यालय परिसर में प्रदर्शित किया गया, ताकि विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। आरटीए पंचकूला द्वारा सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

पंचकूला में प्राइवेट प्ले-वे स्कूलों का पंजीकरण अनिवार्य

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला में सभी प्राइवेट प्ले वे स्कूलों को नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन आफ चाइल्ड राईट (एन.सी.पी.सी.आर) की हिदायतों के अनुसार चलाया जाना अनिवार्य है। इस संबंध में ncpcr.gov.in साईट पर प्राइवेट प्ले वे स्कूलों के लिए हिदायते उपलब्ध करवाई गई हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ सविता नेहरा ने बताया कि प्राइवेट प्ले वे स्कूलों के पंजीकरण के लिए संचालक अब सरल पोर्टल https://saral-haryana.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते है। जिला पंचकूला में चल रहे प्राइवेट प्ले वे स्कूलों का एन.सी.पी.सी.आर की हिदायतों की पालना सुनिश्चित करने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया जाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया की जिला के जिन प्राइवेट प्ले वे स्कूलों ने पंजीकरण नही करवाया है वो जल्द से जल्द अपना पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करे।

उन्होंने बताया की महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम जल्द ही जिले भर में निरिक्षण अभियान शुरू करेगी, निरिक्षण के दोरान बिना पंजीकरण के पाए गए प्राइवेट प्ले वे स्कूलों को तुरंत बंद कर दिया जायेगा और उनके खिलाफ नियमानुसार कारवाही की जाएगी। इस अभियान का मुख्य उदेश्य बच्चों की सुरक्षा और प्राइवेट प्ले- वे स्कूलों की गुणवत्ता पूर्ण सेवाओं को सुनिश्चित करना है। जिले में कई ऐसे प्राइवेट प्ले स्कूल चल रहे है जो ना तो पंजीकृत है और ना ही उनके पास बुनियादी सुविधाए उपलब्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया की बच्चों की सुरक्षा से कोई समझोता बर्दाश्त नही किया जायेगा।

शक्ति 3.0 : एमसीएम में 7 दिवसीय एवं रात्रि एनएसएस शिविर का उद्घाटन

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा राज्य एनएसएस सेल, उच्च शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन के प्रायोजन से सात दिवसीय एवं रात्रि एनएसएस शिविर 'शक्ति 3.0' का शुभारंभ किया गया। यह शिविर 'बिल्डिंग पोटेंशियल थ्रू अपस्किलिंग' विषय पर आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य स्वयंसेवकों को आवश्यक जीवन कौशल, नेतृत्व क्षमताओं तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से जोड़ना है।

कैम्प के उद्घाटन दिवस पर यू.टी. चंडीगढ़ से एनएसएस के राज्य संपर्क अधिकारी, डॉ. नेमी चंद गोलिया, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आईएएस, लेखक एवं प्रेरक वक्ता श्री विवेक अत्रे तथा सेवानिवृत्त कर्नल लेखक एवं प्रबंधन प्रशिक्षक डी. एस. चीमा बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए डॉ. गोलिया ने एनएसएस इकाइयों के सक्रिय प्रयासों की सराहना की और स्वयंसेवकों को सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ बने रहने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस के आदर्श वाक्य 'नॉट मी बट यू' (मैं नहीं, तुम) पर बल देते हुए उन्होंने स्वयंसेवकों से निःस्वार्थ सेवा का अभ्यास करने का आग्रह किया, साथ ही अपने स्वास्थ्य और प्रसन्नता को बनाए रखने की भी सलाह दी। उन्होंने 'प्रोजेक्ट सारथी' और 'साइबर सिक्योरिटी' जागरूकता कार्यक्रमों जैसी पहलों को सफलतापूर्वक लागू करने में कॉलेज के सराहनीय योगदान की भी प्रशंसा की और इन्हें सामुदायिक सशक्तिकरण तथा डिजिटल सुरक्षा की दिशा में प्रभावशाली कदम बताया। अपने प्रेरक संबोधन में श्री विवेक अत्रे ने अपनी वास्तविक क्षमता को पहचानने और उसे साकार करने पर प्रकाश डाला। उन्होंने "बैरेननेस ऑफ बिज़िनेस" के प्रति आगाह करते हुए स्वयंसेवकों से चिंतन करने तथा ऐसे कौशलों की पहचान करने का आग्रह किया, जिन्हें समाज की सेवा में लगाया जा सके।

पानीपत में इंटरनेशनल लेवल का टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट बनाया जाएगा: नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को पानीपत, सोनीपत और करनाल के टेक्सटाइल, फ़ूड प्रोसेसिंग और दूसरी इंडस्ट्री के रिप्रेजेंटेटिव के साथ प्री-बजट कंसल्टेशन मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा कि पानीपत बुनकरों का एक ऐतिहासिक शहर है, और इसकी टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश में पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि पानीपत तेज़ी से एक बड़े फ़ूड प्रोसेसिंग हब के तौर पर भी उभर रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए और अलग-अलग इंडस्ट्री ऑर्गनाइज़ेशन की मांगों पर उन्होंने घोषणा की कि पानीपत में एक इंटरनेशनल लेवल का टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट बनाया जाएगा, जिसके लिए 10 एकड़ ज़मीन दी जाएगी। यह इंस्टीट्यूट इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के हिसाब से टेक्निकल एक्सपर्टाइज़ देगा। उन्होंने आगे कहा कि इंडस्ट्री एसोसिएशन की मांग पर हरियाणा आत्मनिर्भर टेक्सटाइल पॉलिसी की वैलिडिटी एक साल बढ़ाकर 18 दिसंबर 2026 कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि आज, फ़ूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री पूरे राज्य में किसानों और कंज़्यूमर के बीच एक मज़बूत पुल का काम कर रही है। यह किसानों की उपज के बेहतर दाम दिलाने, उन्हें मॉडर्न टेक्नोलॉजी से जोड़ने और खेती को फ़ायदेमंद बनाने में अहम भूमिका निभाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि जैसे एक करघा कई धागों को एक साथ बुनता है, वैसे ही टेक्सटाइल सेक्टर भारत को पूरी दुनिया से जोड़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के फाइव-F विज़न—फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन, और फैशन टू फॉरेन—का भी ज़िक्र किया और कहा कि हरियाणा इस फाइव-F विज़न को पूरा करने के लिए कमिटेड है। कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी के तहत अब केस की संख्या की कोई लिमिट नहीं होगी। सभी एलिजिबल एंटरप्रेन्योर्स को सरकार सपोर्ट करेगी।

हरियाणा आत्मनिर्भर टेक्सटाइल पॉलिसी के तहत 354 एप्लीकेशन मिले हैं, और 367 करोड़ की ग्रांट पहले ही मंज़ूर हो चुकी है। यह पॉलिसी सभी एंटरप्रेन्योर्स के भरोसे को दिखाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने दुनिया से होलिस्टिक हेल्थ और सस्टेनेबिलिटी की ओर बढ़ने की अपील की है। ग्लोबल लेवल पर, केमिकल-फ्री और नेचुरली डाई किए गए टेक्सटाइल की डिमांड बढ़ रही है। उन्होंने भरोसा जताते हुए कहा कि पानीपत ज़िला इस दिशा में ग्लोबल लीडर बन सकता है। यहां के लोग अब पारंपरिक तरीकों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वेस्ट-टू-वेल्थ और एंटीबैक्टीरियल टॉवल जैसे इनोवेशन अपना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी एक्सपोर्टर्स से सिर्फ़ पारंपरिक प्रोडक्ट बेचने से आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि ग्लोबल मार्केट कल्चर और डिमांड को समझना ज़रूरी है। सरकार चाहती है कि जब पानीपत का टेक्सटाइल यूरोप या अमेरिका पहुंचे, तो "मेड इन इंडिया" और "मेड इन हरियाणा" का लेबल क्वालिटी की ग्लोबल गारंटी बन जाए। इसके लिए मेडिकल टेक्सटाइल और टेक्निकल टेक्सटाइल जैसे नए एरिया में रिसर्च की ज़रूरत है। बजट में इसके लिए खास इंतज़ाम किए जा रहे हैं। नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन के साथ मिलकर हरियाणा में नई मशीनरी और ट्रेनिंग के लिए सब्सिडी दी जा रही है। 2025-26 के बजट में, राज्य सरकार ने महिलाओं के स्किल डेवलपमेंट के लिए खास इंतज़ाम किए हैं ताकि महिला वर्कर सिर्फ़ लेबर रोल तक ही सीमित न रहें बल्कि डिज़ाइनिंग और मैनेजमेंट में आगे बढ़ें। पिछले 10 सालों में, टेक्सटाइल में FDI दोगुना हो गया है। भविष्य में, पानीपत, गुरुग्राम और फरीदाबाद मिलकर हरियाणा को ग्लोबल एक्सपोर्ट हब बनाने के लिए काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी, बढ़ते शहरीकरण और हेल्थ के प्रति जागरूक कंज़्यूमर की वजह से, अच्छी क्वालिटी वाले फूड प्रोडक्ट्स की डिमांड लगातार बढ़ रही है। इस डिमांड को पूरा करने के लिए, फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री को और बढ़ाने की ज़रूरत है। देश में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री लगभग 35 लाख करोड़ तक बढ़ गई है और 2032 तक इसके लगभग 73 लाख करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। इसलिए, इस सेक्टर में इन्वेस्टमेंट और ग्रोथ के बहुत सारे मौके हैं। हरियाणा में 28,000 से ज़्यादा फ़ूड प्रोसेसिंग यूनिट पहले ही लग चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में इस इंडस्ट्री के लिए बहुत ज़्यादा पोटेंशियल है। फ़ूड प्रोसेसिंग सेक्टर को कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी देने के लिए, राज्य सरकार ने 12 जून 2019 को चार बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम नोटिफ़ाई कीं।

पहली स्कीम के तहत, फ़ूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने, बढ़ाने और डाइवर्सिफ़िकेशन के लिए सब्सिडी दी जाती है। यह प्रोजेक्ट कॉस्ट पर 25 परसेंट कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी देती है—A और B ब्लॉक में 50 लाख तक, और C और D ब्लॉक में 1 करोड़ तक। दूसरी स्कीम बैकवर्ड और फ़ॉरवर्ड लिंकेज स्कीम है, जिसके तहत 50 परसेंट कैपिटल इन्वेस्टमेंट सब्सिडी दी जाती है—A और B ब्लॉक में 2.5 करोड़ तक और C और D ब्लॉक में 3.5 करोड़ तक।

सीसीआई द्वारा उद्योग विभाग, चण्डीगढ़ प्रशासन के सहयोग से आरएएमपी कार्यक्रम आयोजित

मनीष तिवारी ने उद्योग जगत के सदस्यों से संवाद किया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चैंबर ऑफ चण्डीगढ़ इंडस्ट्रीज़ (सीसीआई) द्वारा उद्योग विभाग, चण्डीगढ़ प्रशासन के सहयोग से आज कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई), सेक्टर 31 में रेजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफॉरमेंस (आरएएमपी) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय सांसद मनीष तिवारी तथा एचएस लक्की, अध्यक्ष, चण्डीगढ़ कांग्रेस ने शिरकत की और उद्योग जगत के सदस्यों से संवाद किया। कार्यक्रम के दौरान संदीप साहनी ने वित्तीय साक्षरता पर, आकाश मित्तल ने व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा (ओएचएस) तथा नए श्रम कानूनों पर तथा सोहम दासगुप्ता ने एमएसई-सीडीपी योजना पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस सेमिनार की अध्यक्षता सुरिंदर गुप्ता, अध्यक्ष, सीसीआई ने की। उनके साथ नवीन मिगलानी, उपाध्यक्ष एवं अरुण गोयल, महासचिव भी मंचासीन रहे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में राष्ट्रीय न्यास अधिनियम के अंतर्गत स्थानीय स्तरीय समिति की बैठक आयोजित

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में आज सेक्टर-1 स्थित लघु सचिवालय के सभागार में राष्ट्रीय न्यास अधिनियम के अंतर्गत स्थानीय स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सदस्य सचिव-सह-जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. विशाल सैनी, जिला न्यायवादी श्री मनोज कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ. संजू, दिव्यांगजन प्रतिनिधि श्रीमती अंजू बनवाला तथा सदस्य श्री सत्यपाल उपस्थित रहे।

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय न्यास अधिनियम के अंतर्गत उपायुक्त की अध्यक्षता में स्थानीय स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति के माध्यम से मन्दबुद्धिता, ऑटिज़्म, सेरेब्रल पाल्सी एवं बहुदिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए संरक्षक नियुक्त किया जाता है। नियुक्त संरक्षक दिव्यांग व्यक्ति की देख-रेख तथा उसकी चल एवं अचल संपत्ति की देखभाल हेतु अधिकृत होता है।

राष्ट्रीय न्यास अधिनियम के अंतर्गत दिव्यांग व्यक्तियों के संरक्षकों को कानूनी संरक्षक प्रमाण पत्र जारी किए जाने के संबंध में समिति के समक्ष 6 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से समिति द्वारा 5 प्रकरणों को कानूनी संरक्षक प्रमाण पत्र जारी करने हेतु अनुमोदित किया गया।

- **दिव्यांगजनों के लिए संरक्षक नियुक्ति हेतु गठित है स्थानीय स्तरीय समिति**
- **कानूनी संरक्षक प्रमाण पत्र जारी करने हेतु 6 प्रकरण प्रस्तुत, 5 को मिली स्वीकृति**

बैठक में उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि निरामय योजना के तहत ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बौद्धिक दिव्यांगता और एक से अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों के लिए स्वास्थ्य कार्ड बनाए जा रहे हैं। इस योजना में सामान्य वर्ग के लिए 500 रुपए वार्षिक स्वास्थ्य बीमा शुल्क निर्धारित किया गया है, जबकि अगले वर्ष से 250 रुपए शुल्क लगेगा। वहीं पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 250 रुपए वार्षिक शुल्क तथा अगले वर्ष से मात्र 50 रुपए शुल्क रखा गया है।

योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों को एक लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता है, योजना का लाभ लेने के लिए यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड और बैंक खाते की प्रति आवश्यक है। स्वास्थ्य कार्ड बनवाने के लिए नावल्टी एजुकेशन सोसायटी, बजाजा बाजार, अंबाला छावनी में संपर्क दूरभाष न0 9306439945 पर किया जा सकता है। कार्ड बनवाने के लिए निर्धारित स्वास्थ्य बीमा शुल्क के अतिरिक्त कोई अन्य शुल्क नहीं लिया जाएगा।

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत हुई सेन्सस असेसमेंट 2.0 में छाये पंचकूला के होनहार

अतिरिक्त उपायुक्त पंचकूला निशा यादव की अध्यक्षता में हुआ भव्य समारोह का आयोजन

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त एवं मिशन डायरेक्टर निपुण पंचकूला श्री सतपाल शर्मा के नेतृत्व में चल रहे निपुण मिशन के अंतर्गत जिले के सभी 275 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 2 व 3 के विद्यार्थियों के लिए 29 व 30 दिसम्बर 2025 में हुई सेन्सस असेसमेंट में जिला पंचकूला के होनहारों ने गजब का प्रदर्शन किया है जिससे जिला पंचकूला के सम्पूर्ण शिक्षा विभाग में ख़ुशी की लहर है।

इस उपलक्ष्य में अतिरिक्त उपायुक्त पंचकूला श्रीमती निशा यादव की अध्यक्षता में चितकारा इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 28 पंचकूला में भव्य समारोह का आयोजन किया गया जहाँ अतिरिक्त उपायुक्त नें जिला पंचकूला की पूरी टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की व शुभकानाएं दी।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी संध्या मलिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुमन चौधरी, प्रधानाचार्या डाइट सुजाता सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला एँफ़ एल एन समन्वयक असिन्द्र कुमार नें पीपीटी के माध्यम से निदेशालय द्वारा जारी परिणामों को प्रस्तुत किया।

सेन्सस परिणामों में 210 विद्यालय श्रेणी 'ए' में 36 विद्यालय बी में व केवल 27 विद्यालय सी केटागेरी में रहे। जहाँ बरवाला ब्लॉक के 47 में से 37, मोरनी के 63 में से 50 रायपुर रानी के 43 में से 37 व खंड पिंजौर के 122 में से 86 विद्यालय श्रेणी 'ए' में रहे। कक्षा 2 हिंदी में उत्कृष्ट लरनर्स 81% व गणित में 87.16% रहे | इसी प्रकार कक्षा 3 में हिंदी में उत्कृष्ट लरनर्स 76.48% व गणित में 87.16% रहे। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त पंचकूला की अध्यक्षता में हुए समारोह में जिले के चारों खंडों के शिक्षा अधिकारियों, 11 क्लस्टर्स के क्लस्टर मुखियाओं व मेंटोर्स, जिला एँफ़ एल एन समन्वयक असिन्द्र कुमार, ब्लॉक एँफ़ एल एन कोऑर्डिनेटर अंजली चहल, सविता, प्रतिभा दूहन व शोभना, राज्य एसपीआईयू सदस्य करण सभरवाल, संपर्क फाउंडेशन प्रतिनिधि अनिल, प्रमोद,पंचकूला एसटीजी व केआरपी टीम को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीपीसी पंचकूला जोगिन्द्र लाठर, डीपीसी अम्बाला सीमा, खंड शिक्षा अधिकारी मोरनी शालिनी कपूर, उप जिला शिक्षा अधिकारी रमेश बत्रा, खंड शिक्षा अधिकारी बरवाला नरेन्द्र मलिक, खंड शिक्षा अधिकारी पिंजौर कर्मवीर शर्मा, एस पी आई यू सदस्य अर्पित व शाइस्ता, जिला निपुण कोर टीम अनिरुद्ध भट्ट, नेहा शर्मा, गीतिका, नरेश, अशोक, प्रेम, मीना शर्मा, गुलाब, चित्रा को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों व सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने श्री गुरु तेग बहादुर के श्लोकों पर लिखी किताब का विमोचन किया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने बुधवार को लोक भवन में गुरु नानक खालसा कॉलेज, यमुना नगर के प्रिंसिपल डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला द्वारा लिखी गई पुस्तक 'श्री गुरु तेग बहादुर के श्लोक-अनंत वास्तविकता की प्राप्ति की ओर एक यात्रा' का विमोचन किया।

माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने पुस्तक की बौद्धिक और अकादमिक दृष्टिकोण से सराहना करते हुए कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहादत वर्षगांठ को ध्यान में रखते हुए, श्री गुरु तेग बहादुर जी के श्लोकों पर आधारित यह किताब निस्संदेह उनके अद्वितीय दर्शन और उनके पवित्र छंदों के गहरे अर्थों को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने यह भी कहा कि डॉ. भल्ला ने यह पुस्तक विद्वतापूर्ण समर्पण और गहरी समझ के साथ लिखी है। उन्होंने कहा कि लेखक ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के श्लोकों की समकालीन संदर्भों से जोड़ते हुए अच्छी तरह से व्याख्या की है, जिससे यह पुस्तक शिक्षाविदों और आम पाठकों दोनों के लिए समान रूप से मूल्यवान बन गई है।अपनी पुस्तक के बारे में बताते हुए, डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला ने कहा कि इस काम का मुख्य उद्देश्य श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के श्लोकों की दार्शनिक और बौद्धिक व्याख्या के माध्यम से मनुष्यों को आध्यात्मिक उत्थान, आंतरिक चेतना और अनंत की प्राप्ति की ओर मार्गदर्शन करना है।

राजकीय महाविद्यालय कालका में 48वां वार्षिक एथलेटिक मीट बड़े उत्साह एवं खेल भावना के साथ हुई संपन्न

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। राजकीय महाविद्यालय कालका में 48वां वार्षिक एथलेटिक मीट बड़े उत्साह एवं खेल भावना के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर गीता सुखीजा ने मुख्य अतिथि श्री एसपी सुखीजा, सेवानिवृत्त, संयुक्त निदेशक, उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा का हार्दिक स्वागत किया और अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा अनुशासन, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं।

मुख्य अतिथि श्री एसपी सुखीजा ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक भाषण देते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा के साथ-साथ खेलों में सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। खेल विद्यार्थियों को

जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं और उन्हें सफलता की ओर अग्रसर करते हैं। खेल हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं और हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। एथलेटिक मीट में गेस्ट ऑफ ऑनर, डॉक्टर मीनाक्षी रिटायर्ड संयुक्त निदेशक उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा ने कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया।

एथलेटिक मीट के अंतर्गत लड़के और लड़कियों की 100 मी, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मी, 1500 मी, 5000 मी दौड़, शॉट पुट, ऊंची कूद का आयोजन किया गया। लड़कियों की 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान पर नेहा, द्वितीय स्थान पर तमन्ना और तृतीय स्थान पर भावना रही। लड़कियों की 200 मीटर दौड़ में तमन्ना प्रथम स्थान पर, नेहा द्वितीय स्थान पर और भावना तृतीय स्थान पर रही। 400 मीटर रेस में नेहा प्रथम स्थान पर, सुमन द्वितीय स्थान पर और भावना तृतीय स्थान पर रही। 800 मीटर दौड़ में भावना प्रथम स्थान पर, नेहा द्वितीय स्थान पर और परिणीता तृतीय स्थान पर रही। 1500 मीटर दौड़ में भावना प्रथम स्थान, पर तमन्ना द्वितीय स्थान पर और कोमल तृतीय स्थान पर रही। 5000 मीटर दौड़ में भावना प्रथम स्थान पर, रितु शुक्ला द्वितीय स्थान पर और पिंकी तृतीय स्थान पर रही। शॉट पुट में वंदना प्रथम स्थान पर, हर्ष प्रिया द्वितीय स्थान पर और तमन्ना तृतीय स्थान पर रही। ऊंची कूद में तमन्ना प्रथम स्थान पर, रितु शुक्ल द्वितीय स्थान पर और भावना देवी तृतीय स्थान पर रही।

लड़कों की 200 मीटर दौड़ में जीवन प्रथम स्थान पर, चिराग द्वितीय स्थान पर और पवन ठाकुर तृतीय स्थान पर रहे। लड़कों की 100 मीटर दौड़ में जीवन प्रथम स्थान पर, पंकज चौधरी द्वितीय स्थान पर और नीरज कुमार तृतीय स्थान पर रहे। 400 मीटर दौड़ में पंकज चौधरी प्रथम स्थान पर, अमन द्वितीय स्थान पर रोहित तृतीय स्थान पर रहे। 800 मीटर दौड़ में पवन ठाकुर प्रथम स्थान पर, पंकज चौधरी द्वितीय स्थान पर भूपेंद्र शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। लड़कों की 5000 मीटर दौड़ में अमन प्रथम स्थान पर युगल द्वितीय स्थान पर और वासु तृतीय स्थान पर रहे।